संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 327
पृष्ठ 8
गुरूवार
21 अगस्त 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शरीर के लिए अमृत है यह फल...

विचार- और घिर गया चुनाव आयोग

खेल- आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप और...

विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे

सीपी राधाकृष्णन के नामांकन पर बोले पीएम मोदी

● उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए सीपी राधाकृष्णन ने दाखिल किया नामांकन, पीएम मोदी बने पहले प्रस्तावक

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन के नामांकन के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे। उन्होंने कहा कि मंत्रियों, पार्टी सहयोगियों और एनडीए नेताओं के साथ, मैं थिरु सीपी राधाकृष्णन के साथ भारत के उपराष्ट्रपति पद के लिए नामांकन दाखिल करने गया। एनडीए परिवार को विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति साबित होंगे और राष्ट्रीय प्रगति की हमारी यात्रा को समृद्ध करेंगे। एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, किरेन रिजिजू और अर्जुन राम मेघवाल भी उपस्थित थे। राधाकृष्णन ने लगभग 20 प्रस्तावकों और 20 समर्थकों की उपस्थिति में अपना नामांकन दाखिल किया। इससे पहले आज, उन्होंने संसद परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने संसद भवन में छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिराव फुले, रानी लक्ष्मीबाई, बीआर अंबेडकर और भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमाओं पर भी श्रद्धांजलि अर्पित की। सीपी राधाकृष्णन के साथ केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, किरेन रिजिजू, अर्जुन राम मेघवाल, धर्मेंद्र प्रधान, राम मोहन नायडू किंजरापु, एल मुरुगन और भाजपा नेता विनोद तावड़े भी मौजूद थे। राधाकृष्णन इससे पहले सांसद और झारखंड व तेलंगाना के राज्यपाल रह चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने तमिलनाडु में उनके लंबे समय से चल रहे जमीनी स्तर के काम का उल्लेख करते हुए उनके समर्पण, विनम्रता और बुद्धिमत्ता की प्रशंसा की। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन, जो 31 जुलाई, 2024 से महाराष्ट्र के राज्यपाल हैं, इससे पहले झारखंड, तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल भी रह चुके हैं। कोयंबटूर से दो बार सांसद रहे राधाकृष्णन का जन्म 20 अक्टूबर 1957 को तमिलनाडु के तिरुपुर में हुआ था।

बिहार के बाद अब पूरा देश लड़ेगा!

राहुल गांधी का चुनाव चोरी पर हल्ला बोल

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनावी राज्य बिहार में अपनी श्मतदाता अधिकार यात्राश को मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया की सराहना करते हुए, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को विश्वास व्यक्त किया कि पूरा देश श्चुनावी चोरीश का भी विरोध करेगा। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस नेता ने कहा कि प्रतिक्रिया बहुत अच्छी है। बिहार में अब हर कोई 'वोट चोरी' कह रहा है। यह वास्तविकता है। 'चुनावी चोरी' की कोशिश की जा रही है। बिहार विरोध कर रहा है। पूरा देश विरोध करेगा। कांग्रेस नेता ने हाल ही में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया के चुनाव जीतने पर भाजपा सांसद राजीव प्रताप रूडी को बधाई दी और उनसे हाथ मिलाया। मतदाता अधिकार यात्रा रविवार को सासाराम से शुरू हुई। 16 दिनों की यह यात्रा बिहार में मतदाता सूची के चुनाव आयोग द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित श्वोट चोरीश के विरोध में आयोजित की गई है। दूसरे दिन, गांधी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के साथ औरंगाबाद पहुँचे। 19 अगस्त (मंगलवार) को गांधी ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता दीपांकर भट्टाचार्य के साथ बिहार के नेवादा में रैली की। यह यात्रा 20 से ज़्यादा ज़िलों में 1,300 किलोमीटर से ज़्यादा की दूरी तय करेगी और 1 सितंबर को पटना में समाप्त होगी। गौरतलब है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस नेता पर झूठ की दुकान चलाने का आरोप लगाया है, क्योंकि कांग्रेस सांसद चुनावी राज्य बिहार में श्मतदाता अधिकार यात्राश का नेतृत्व कर रहे हैं। भाटिया ने आगे सवाल किया कि क्या गांधी ष्झूठश फैलाने के लिए देश से माफ़ी मांगेंगे। यहाँ भाजपा की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, भाटिया ने 18 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज की गई एक याचिका का ज़िक्र किया, जिसमें नवंबर 2024 में हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में विसंगतियों का आरोप लगाया गया था।

प्रियंका-खरगे ने दी राजीव गांधी को श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 81वीं जयंती पर बुधवार को यहां उनकी समाधि वीर भूमि पर उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री की स्मृति में उनकी समाधि वीर भूमि में आज सुबह कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं तथा पार्टी कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और भारत रत्न

राजीव गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती वाड्रा ने अपने पिता को याद करते हुए कहा षविरासत में आप से करुणा, प्रेम और देशभक्ति का धर्म मिला। हम दोनों राहुल और मैं, हमेशा यह धर्म निभायेंगे। न कोई तोड़ पाएगा, न कोई रोक पाएगा, न कभी हमारे कदम लड़खड़ायेंगे। श्री खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री के उल्लेखनीय कार्यों को याद करते हुए कहा मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, महिला सशक्तिकरण, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम और समावेशी शिक्षा पर जोर देने वाली नई शिक्षा नीति जैसे राजीव गाँधी जी के अभूतपूर्व क़दम देश में परिवर्तनकारी बदलाव लेकर आए। हम भारत रत्न, राजीव गाँधी जी को उनकी जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

मोदी ने राजीव गांधी को श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, श्आज उनकी जयंती पर पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को मेरी श्रद्धांजलि। श्री राजीव गांधी 1984 से 1989 तक भारत के छठें प्रधानमंत्री रहे। उन्हें प्रौद्योगिकी-संचालित सुधारों की शुरुआत करने और देश में आईटी क्रांति की नींव रखने के लिए याद किया जाता है। उनका जन्म 20 अगस्त, 1944 को हुआ और 40 वर्ष की आयु में भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री बने।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के शिक्षण, गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी याचिकाएं खारिज की

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में करीब 24,000 सहायक शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियां रद्द करने के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार और अन्य की दायर समीक्षा याचिकाएं खारिज करते हुए तीन अप्रैल, 2025 का अपना फैसला बरकरार रखा। न्यायमूर्ति पी वी संजय कुमार और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने पुनर्विचार याचिकाएं खारिज कीं। पीठ इसे सुनवाई योग्य नहीं मानते हुए कहा, ष्वस्तुतः पूरे मामले की गुण-दोष के आधार पर पुनः सुनवाई की मांग वाली ये पुनर्विचार याचिकाएं विचार करने लायक नहीं हैं, क्योंकि सभी प्रासंगिक पहलुओं की पहले ही जांच और व्यापक विचार किया जा चुका है। इसलिए पुनर्विचार याचिकाओं को खुली अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के आवेदन अस्वीकार किए जाते हैं।ष शीर्ष अदालत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली दो सदस्यीय पीठ ने तीन अप्रैल को कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को बरकरार रखा था।

अमित शाह ने लोकसभा में पेश किया गिरफ्तार पीएम-सीएम को हटाने वाला बिल

विपक्ष ने जमकर किया विरोध

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को लोकसभा में विवादास्पद विधेयक पेश किया, जिसमें प्रस्ताव है कि यदि किसी मौजूदा मंत्री, मुख्यमंत्री या यहां तक कि प्रधानमंत्री को पांच साल या उससे अधिक की जेल की सजा वाले अपराध के लिए लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार या हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें एक महीने के भीतर अपना पद गंवाना पड़ सकता है। अमित शाह ने लोकसभा में संविधान (एक सौ तीसवां संशोधन) विधेयक, 2025, केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025, जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 पेश किए। हालांकि, इस दौरान विपक्ष का जोरदार हंगामा जारी रहा। विपक्ष ने इस बिल को जमकर विरोध किया। केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) विधेयक 2025 के उद्देश्यों और कारणों संबंधी बयान के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 (1963 का 20) के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों के कारण गिरफ्तार और हिरासत में लिये गए मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है। ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री या मंत्री को हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने हेतु केंद्र शासित प्रदेश सरकार अधिनियम, 1963 की धारा 45 में संशोधन करने की आवश्यकता है। विधेयक उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने का प्रयास करता है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 के उद्देश्यों के अनुसार, संविधान के तहत गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तार और हिरासत में लिये गए मंत्री को हटाने का कोई प्रावधान नहीं है, इसलिए ऐसे मामलों में प्रधानमंत्री या केंद्रीय मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री तथा राज्यों एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री या मंत्रिपरिषद के किसी मंत्री को हटाने के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करने के मकसद से संविधान के अनुच्छेद 75, 164 और 239एए में संशोधन की आवश्यकता है। विधेयक का उद्देश्य उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करना है। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक में प्रावधान है कि अगर कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसे स्वतः ही पद से हटा दिया जाएगा। हालाँकि, जिस अपराध के लिए उन्हें हिरासत में लिया गया है, उसकी सज़ा पाँच साल या उससे ज़्यादा होनी चाहिए।

सलमेर सीमा पर पाकिस्तानी जासूस दबोचा, बड़े खतरे का अलर्ट!

जैसलमेर, एजेंसी। भारत ने पाकिस्तान का जासूसी नेटवर्क तोड़ने के लिए लगाचार एक्शन में है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद ये शक था कि देश के अंदर के लोगों ने भी इस आतंकी हमले को अंजानम देने में मदद की है। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया। इसके बाद देश के अंदर छिपे गद्दारों को तलाशने का दौर शुरू हुआ और देश में कई जासूसों को गिरफ्तार किया गया। अब एक और शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। राजस्थान के जैसलमेर जिले में बुधवार को एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार 25 वर्षीय युवक को पाकिस्तान के फोन नंबरों पर बात करने के कारण संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि पकड़ा गया युवक जीवन खान सांकड़ा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। यह युवक पाकिस्तानी नंबरों पर बातचीत करते हुए पकड़ा गया है। शुरुआती जांच में उसके मोबाइल में पाकिस्तान के कई फोन नंबर भी मिले हैं।

यूपी के जलालाबाद का नाम परशुरामपुरी हुआ, केन्द्र ने लगाई मोहर

शाहजहाँपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर ज़िले के जलालाबाद का नाम बदलने को लेकर गृह मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। जानकारी के अनुसार, जलालाबाद का नाम अब बदलकर परशुरामपुरी कर दिया गया है। गृह मंत्रालय ने राज्य के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर इस आशय की जानकारी दी है। मंत्रालय की ओर से उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव को मिले पत्र में कहा गया है कि भारत सरकार को शहर जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी करने पर कोई आपत्ति नहीं है। शाहजहाँपुर जिले के जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी करने की गृह मंत्रालय

की मंजूरी के बाद, केंद्रीय मंत्री और पीलीभीत के सांसद जितिन प्रसाद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर एक पोस्ट के ज़रिए आभार व्यक्त किया। प्रसाद ने नाम परिवर्तन की अनुमति देने के लिए गृह मंत्री अमित शाह का धन्यवाद किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की हार्दिक सराहना की। सनातनी समाज के लिए इसे गौरव का क्षण बताते हुए, प्रसाद ने कहा कि इस निर्णय से भगवान परशुराम के भक्तों को सम्मान और आनंद की अनुभूति हुई है। उन्होंने आगे कहा कि ईश्वरीय कृपा से संभव हुए इस पवित्र कार्य में वे स्वयं को एक माध्यम मात्र मानते हैं और समस्त विश्व पर भगवान परशुराम की कृपा बनी रहे, ऐसी प्रार्थना करते हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर किसानों को निराश करने और राज्य में उर्वरक संकट को गहरा करने का मंगलवार को आरोप लगाया। यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर 'हैशटैग' 'अयोध्या-खाद-किल्लत' से की गयी एक पोस्ट में कहा, कह गयेइ ऐसा भाजपाई कलियुग आएगाइ कृषक खाएगा लाठी-डंडाइ खाद का संकट गहरायेगा। उन्होंने 31 सेकंड का एक वीडियो भी साझा किया जिसमें एक पुलिसकर्मी लाठी लिए हुए लोगों की भीड़ को नियंत्रित कर रहा है।

मोदी की स्नातक डिग्री विवाद मामले में फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट ने टाला

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्नातक डिग्री विवाद से संबंधित मामले में बुधवार को अपना फैसला टाल दिया। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता की एकल पीठ ने इस मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद 27 फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रखा लिया था। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) को अदालत को रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है। उच्च न्यायालय ने दिल्ली विश्वविद्यालय की याचिका पर सुनवाई के बाद 23 जनवरी, 2017 को केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) के आदेश पर रोक लगा दी थी। सीआईसी ने 21 दिसंबर, 2016 को आवेदक नीरज को उन सभी विद्यार्थियों के अभिलेखों के निरीक्षण की अनुमति दी थी, जिन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से 1978 में स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। विश्वविद्यालय का कहना है कि श्री मोदी ने इसी वर्ष अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त की थी। उच्च न्यायालय में सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालय का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सीआईसी के 2016 के आदेश को रद्द करने की गुहार लगाई थी। श्री मेहता ने हालाँकि, दलील देते हुए कहा था कि विश्वविद्यालय को अदालत को संबंधित डिग्री का रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा, "विश्वविद्यालय को अदालत को रिकॉर्ड दिखाने में कोई आपत्ति नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी की कला स्नातक की डिग्री 1978 की है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर जनसुनवाई के दौरान हुआ हमला

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर बुधवार को जनसुनवाई के दौरान एक शख्स ने हमला कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना के समय मुख्यमंत्री गुप्ता आम लोगों की शिकायतें सुन रहीं थीं। एक शख्स भी अपनी शिकायत लेकर वहां पहुंचा और उसने श्रीमती गुप्ता पर हमला कर दिया। उसके इस हमले की वजह का फिलहाल पता नहीं चला है। पुलिस हमलावर शख्स को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा "दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है।

विपक्ष के हंगामे के कारण तीन विधेयक नहीं हो पाये लोक सभा में पेश

नयी दिल्ली, संवाददाता। लोक सभा में बुधवार को 130वें संविधान संशोधन विधेयक और दो अन्य विधेयकों को गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश करने की अनुमति मांगने के दौरान विपक्षी सदस्यों ने भारी हंगामा किया, जिसके कारण इन्हें पेश नहीं किया जा सका और कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। श्री शाह ने अपराह्न दो बजे विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच संविधान (130वां संशोधन) विधेयक 2025, संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम 1963 का और संशोधन करने वाले संघ राज्य क्षेत्र शासन (संशोधन) विधेयक 2025, जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम 2019 का और संशोधन करने वाले जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन

(संशोधन) विधेयक 2025 पेश करने का प्रस्ताव किया। हंगामे के बीच ही कुछ सदस्यों ने इन विधेयकों पर कड़ी आपत्ति करते हुए अपने विचार रखे। आल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लिमीन के असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि ये विधेयक निर्वाचित सरकारों को अस्थिर करने के लिए लाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन विधेयकों के अमल में आने पर नौकरशाही विधायिका काम करने लगेगी। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने इन्हें संविधान के मूल ढांचे और संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ बताया और कहा कि इनका राजनीतिक दुरुपयोग होगा। उनका कहना था कि ये विधेयक इस सिद्धांत का उल्लंघन करते हैं कि बेगुनाह साबित होने तक कोई दोषी नहीं होता। रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी के एन के प्रेमचंद्रन ने कहा कि सरकार ने विधेयकों को लाने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया है। उन्होंने सवाल किया कि विधेयक इतनी जल्दबाजी में लाने की क्या जरूरत है और आरोप लगाया कि यह सरकार विपक्ष शासित राज्यों को अस्थिर करना चाहती है। इस पर गृह मंत्री ने कहा कि विधेयकों को जल्दबाजी में लाने की बात ठीक नहीं है क्योंकि वह इन्हें संसद की संयुक्त समिति को सौंपने का अनुरोध करने वाले हैं।

दुकान में तोड़फोड़ व रंगदारी का आरोप

प्रयागराज। शिवकुटी क्षेत्र के नया पुरा निवासी अमित सोनकर ने पड़ोस के एक परिवार पर दुकान में तोड़फोड़ व पांच लाख रुपये रंगदारी मांगने का आरोप लगाया है। पुलिस तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। अमित सोनकर की तहरीर के अनुसार, मकान के अगले हिस्से में 1998 से मीट की दुकान संचालित है। पहले उसके पिता दुकान चलाते थे। उनके निधन के बाद से अमित सोनकर दुकान चलाकर परिवार का जीविकोपार्जन करता है। लेकिन, पिछले दो–तीन महीने से एक पक्ष दुकान नहीं खोलने की धमकी दे रहा है। विरोध करने पर तोड़फोड़ व रंगदारी मांग रहा है। आरोपियों ने पांच लाख रुपये गुंडा टैक्स देने पर ही दुकान खोलने की धमकी दी है। आरोप है कि इसमें एक हिस्ट्रीशीटर भी शामिल है। जिस पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। शिवकुटी थाना प्रभारी रूकमपाल सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

10 विभाग लगे फिर भी 'टाइगर जिंदा है

प्रयागराज। स्वास्थ्य विभाग की अगुवाई में जिले में हर साल 10 विभाग मच्छर पर वार करते हैं, लेकिन इस सूक्ष्म जीव से सभी विभाग हार जाते हैं। शहर से लेकर गांव तक मच्छरों को मारने और मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के लिए तमाम उपाय किए जाते हैं। हर साल करोड़ों रुपये खर्च होते हैं, मगर मच्छरों का डंक जानलेवा बना रहता है। इसमें डेंगू को फैलाने वाले एडीज मच्छर सबसे खतरनाक माने जाते हैं। जिसे टाइगर भी कहते हैं। टाइगर के अंडे साल भर तक मिट्टी या किसी जगह पड़े रहते हैं और बारिश में या पानी मिलने पर लार्वा बाहर निकल आता है। मच्छरों के काटने से मलेरिया, डेंगू, जापानी इन्सेपेलाईटिस, चिकनगुनिया व फाइलेरिया फैलता है। जिला मलेरिया अधिकारी डॉ. आनंद सिंह ने बताया कि पिछले चार साल में 3692 डेंगू के मरीज मिल चुके हैं, वहीं 21 लोगों की मौत भी हो चुकी है। इसमें 2021 में 1299, 2022 में 1465, 2026 में 504 और 2024 में 424 डेंगू के मरीज मिले थे।

नगर निगम ने बंदरों को पकड़ने से खींचा हाथ

प्रयागराज। शहर के तमाम मोहल्लों में लोगों को बंदरों के आतंक से निजात मिलने की उम्मीद को झटका लगा है। नगर निगम शहरी क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने से पीछे हट गया है। नगर निगम प्रशासन का मानना है कि बंदर वन्य जीव है और इसकी धरपकड़ की जिम्मेदारी वन विभाग की है। नगर निगम सिर्फ सूचना देने में मदद कर सकता है। शहर के बड़े हिस्से में बंदरों के आतंक की समस्या को देखते हुए नगर निगम ने इनको

पकड़ने की योजना बनाई। एक एजेंसी तैनात करने का निर्णय लिया गया। बंदर पकड़ने के लिए राशि तय की गई। निविदा के जरिए एजेंसी भी लगभग तय हो गई थी।

अंतिम क्षण में नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने टेंडर निरस्त करने का निर्देश दिया। नगर निगम के पशुधन अधिकारी डॉ. विजय अमृतराज ने बताया कि टेंडर निरस्त करने के पहले वन्य जीवों को पकड़ने को लेकर अबतक जारी शासनादेशों का अध्ययन किया किया गया। किसी भी आदेश में वन्य जीवों को पकड़ने के मामले में छूट नहीं है। ऐसे में नगर निगम बंदरों को पकड़ता तो शासनादेश का उल्लंघन होता। इसलिए टेंडर निरस्त किया गया। पशुधन अधिकारी के मुताबिक शहरी क्षेत्र में बंदरों को पकड़ने में वन विभाग की नगर निगम मदद करेगा।

सात करोड़ में बिका मकान तो सर्किल 25 फीसदी ही क्यों बढ़ा

प्रयागराज। साहब मेरा घर फूलपुर में है। जमीन भी 30 फीट है। बगल का एक प्लॉट पिछले दिनों सात करोड़ रुपये में बिका था लेकिन हमारे यहां सड़क का सर्किल रेट 25 फीसदी ही बढ़ा है जबकि इस हिसाब से 40 फीसदी रेट में बढ़ोतरी होनी चाहिए। यह बातें एडीएम वित्त एवं राजस्व की कोर्ट में नए प्रस्तावित सर्किल रेट पर आई शिकायत की सुनवाई में कही गईं। मंगलवार को प्रस्तावित सर्किल रेट पर आईं आपत्तियों की सुनवाई थी। बीते 20 दिनों में तमाम आपत्तियां आईं, जिसमें 37 पर विचार किया गया। दोपहर दो बजे एडीएम वित्त एवं राजस्व विनीता सिंह, एआईजी स्टांप राकेश चंद्रा, सब रजिस्ट्रार चतुर्भुज पांडेय सहित सभी सब रजिस्ट्रार आए थे।

इसमें नए सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की गई थी। मकान और जमीन मालिकों ने अपने गाटे के पास की सड़क को अधिक चौड़ा बताया तो कुछ लोगों ने आपार्टमेंट में भी रेट बढ़ाने की मांग रखी। सिविल लाइंस में एक ही सड़क पर दो अपार्टमेंट के सामान्य फ्लैटों की कीमत में अंतर होने पर लोगों ने सवाल खड़े किए। नए सर्किल रेट लागू होने में लगेगा 15 दिन का वक्त एआईजी स्टांप राकेश चंद्रा ने बताया कि आई आपत्तियों को सुना गया है।

कुछेक लोगों ने अपने यहां सर्किल रेट बढ़ाने की मांग की है। हो सकता है कि किसी एक प्लॉट को लेकर उनकी बात सही हो, लेकिन उसे पूरे क्षेत्र पर लागू करना संभव नहीं हो सकता है। सभी आपत्तियों को सुनने के बाद इसे सम्बन्धित सब रजिस्ट्रार को सौंप दिया गया है। वो मौका मुआयना करेंगे, जिसके बाद अपनी रिपोर्ट देंगे। इसे कमेटी के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। कमेटी रिपोर्ट की जांच के बाद इस पर अपनी आख्या कारण सहित देगी। जिसे जिलाधिकारी के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। तब नया सर्किल रेट लागू होगा। इस प्रक्रिया में 15 दिन का वक्त लगेगा।

प्रयागराज में आधे अधूरी फौज से कैसे सुधरेगी यातायात

प्रयागराज। प्रदीप शर्मा शहर की सड़कों पर जाम से यातायात व्यवस्था बेजार है। प्रमुख मार्ग हो या बाजार की सड़कें सभी पर ट्रैफिक जाम से लोग हलाकान हैं। इस खराब हालत से अगर इमरजेंसी हो तो परेशानी बढ़ जाती है। अस्पताल पहुंचना हो, बस या ट्रेन पकड़ना हो, ट्रैफिक जाम के कारण समय से पहुंचना मुश्किल है। ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए प्रयास भी किए गए। प्रमुख मार्गों का चौड़ीकरण कर डिवाइडर बनाए गए, लेकिन यातायात पुलिस की कमी दूर नहीं की गई। सड़कों पर बढ़ते दबाव के बीच ट्रैफिक पुलिस की कमी भारी पड़ रही है। यातायात विभाग के स्वीकृत 1268 कर्मचारियों में आधे से भी कम 553 कर्मियों के भरोसे यातायात व्यवस्था नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

यातायात कर्मियों को निर्धारित आठ घंटे की शिफ्ट के बजाए प्रतिदिन 12–12 घंटे की ड्यूटी करनी पड़ रही है। कभी कुछ कर्मचारियों के छुट्टी पर जाने की स्थिति में ड्यूटी 15 घंटे तक बढ़ जाती है। यहां दिनभर लगता है जाम शहर के कई प्रमुख मार्ग पर दिनभर

जाम की स्थिति बनी रहती है। जॉनसेनगंज, सिविल लाइंस, बैहराना, कचहरी रोड, नूरुल्लाह रोड, मीरापुर, सुलेमसराय, हाईकोर्ट के पास अंबेडकर क्रॉसिंग, राजापुर, तेलियागंज आदि मार्ग पर जाम की समस्या आम हो गई है। स्कूलों की छुट्टी के समय स्थिति और अधिक विकट हो जाती है। स्कूली बच्चे छह घंटे की पढ़ाई के बाद हर दिन दोपहर के समय एक घंटे से ज़्यादा समय तक ट्रैफिक जाम में फंसे रहते हैं। वीआईपी ड्यूटी भी बनी चुनौती यातायात निरीक्षक अमित कुमार के अनुसार, 50 कर्मियों को प्रतिदिन इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आसपास तैनात किया जाता है। वीआईपी आवाजाही के अलावा सर्किट हाउस, कलक्ट्रेट, भारद्वाज आश्रम, धोबी घाट क्रॉसिंग, म्योर हॉल क्रॉसिंग, राणा प्रताप क्रॉसिंग, यूपीपीएससी क्रॉसिंग, सिविल लाइंस बस स्टेशन आदि जगहों पर यातायात के भारी दबाव को संभालना चुनौती है। यातायात नहीं चालान पर ध्यान यातायात विभाग में एक तरफ कर्मचारियों की कमी विकट समस्या बनी हुई है। वहीं दूसरी तरफ चौराहों पर तैनात अधिकांश यातायात पुलिसकर्मी ट्रैफिक कंट्रोल करने की बजाए गाड़ियों का चालान करने में अधिक व्यस्त दिखते हैं। चालान का ग्राफ तो बढ़ रहा है, लेकिन यातायात व्यवस्था ध्वस्त पड़ी हुई है। जब भीषण जाम की स्थिति उत्पन्न होती है तो थोड़ी सक्रियता दिखती है। वर्जन कर्मचारियों की कमी की समस्या से आलाधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है। रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग का प्रस्ताव भेजा गया है। हालांकि कर्मियों की कमी के बावजूद यातायात व्यवस्था नियंत्रित रखने का प्रयास जारी है। – कुलदीप सिंह, एसीपी यातायात।

डिजिटल कुम्भ म्यूजियम की परियोजना निरस्त

प्रयागराज। प्रयागराज में डिजिटल कुम्भ म्यूजियम निर्माण की परियोजना निरस्त कर दी गई है। शासन ने परियोजना निरस्त करने के सिलसिले में महानिदेशक पर्यटन को पत्र भेजा है। पत्र में म्यूजियम निर्माण के लिए पूर्व में जारी राशि ब्याज सहित लौटाने का भी निर्देश दिया है। प्रदेश सरकार ने महाकुम्भ के पहले अरैल में डिजिटल कुम्भ म्यूजियम निर्माण की योजना बनाई थी। म्यूजियम निर्माण के लिए अरैल में 10 हजार वर्ग मीटर जमीन भी चिह्नित की गई थी। सीएंडडीएस को पहले म्यूजियम निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। सीएंडडीएस सितंबर तक म्यूजियम का निर्माण शुरू नहीं कराया तो यह जिम्मेदारी प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड को दी गई।

महाकुम्भ के पहले म्यूजियम का निर्माण पूरा करने से प्रोजेक्ट

कॉरपोरेशन लिमिटेड ने भी हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद तय हुआ कि महाकुम्भ के बाद म्यूजियम का निर्माण होगा। बीच में यह भी चर्चा थी कि पीपीपी मॉडल पर म्यूजियम का निर्माण कराया जा सकता है। संग्रहालय निर्माण के लिए 21.38 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया था। ढांचे का निर्माण शुरू करने के लिए शासन ने 11 सितंबर 2024 को छह करोड़ रुपये जारी किए। पत्र में अनु सचिव सर्वेश कुमार सिंह ने महानिदेशक पर्यटन को ब्याज सहित छह करोड़ रुपये राजकोष में जमा करने के लिए कहा है। यह राशि पत्र जारी होने के बाद एक सप्ताह में जमा करनी होगी। म्यूजियम में डिडिजिटल माध्यम से समुद्र मंथन के साथ वाइड स्क्रीन पर देश के विभिन्न हिस्सों में होने वाले महाकुम्भ, कुम्भ के बारे में जानकारी देने की योजना थी।

डिजिटल महाकुम्भ म्यूजियम परियोजना को पूरी तरह समाप्त नहीं किया गया है। म्यूजियम का निर्माण पर्यटन विभाग को कराना था। अब पर्यटन विभाग निर्माण नहीं कराएगा। इसका निर्माण कराने की योजना पर मंथन हो रहा है। – विजय किरन आनंद, कुम्भ मेला अधिकारी प्रयागराज

गैरों की काट रहे आरसी और अपने नहीं दे रहे किराया

प्रयागराज। यह बात सुनने में भले ही अटपटी लगे, लेकिन सच्चाई है। सरकारी विभाग जहां राजस्व न जमा करने पर दूसरे लोगों की आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) काटते हैं वो खुद ही अपने भवन किराए को महीनों से दबाए बैठे हैं। एक–एक महीना करके यह राशि अब दो करोड़ रुपये के आसपास पहुंच गई है।

मामला विकास भवन का है, जिसमें सीडीओ, डीडीओ, डीआरडीए, मनरेगा, पंचायती राज विभाग, बैंक, पंचायत निर्वाचन कार्यालय, जिला अर्थ एवं सांख्य विभाग, समाज कल्याण विभाग, समाज कल्याण विकास, पशु चिकित्सा, जिला कार्यक्रम, जिला उद्यान, जिला परियोजना, मनरेगा, एनआरएलएम जैसे कुल 26 विभाग चल रहे हैं। इनमें विकास विभाग के चार विभागों डीडीओ, डीपीआरओ, मनरेगा और एनआरएलएम को छोड़ दिया जाए तो 22 विभागों को इस भवन में कार्यालय संचालित करने के लिए प्रति माह किराया देना होता है।

अलग–अलग स्थान के अनुसार किराए की दर तय की गई है। सूत्रों की मानें तो कुल साढ़े चार लाख रुपये महीने का किराया आता था, जिससे विकास भवन की मरम्मत का काम कराया जाता है। भवन का रंगरोगन, फर्श की मरम्मत, छोटे–मोटे निर्माण आदि का काम कराया जाता है। 22 विभागों ने बीते छह महीने से किराया नहीं दिया है।

इसके लिए सीडीओ और डीडीओ की ओर से नोटिस दिया जाता है लेकिन विभागों ने नोटिस के बाद भी अब तक किराया नहीं जमा किया है। कुम्भ के बजट से कराया गया काम ऐसा नहीं है कि विकास भवन में बीते तीन सालों में विकास कार्य नहीं हुए हैं। यहां विकास कार्य हुए हैं, लेकिन उसके लिए दूसरी मदों से बजट लिया गया। कुम्भ के बजट से ट्रांजिट हॉस्टल और वॉर रूम का निर्माण कराया गया और विकास विभाग की मद से सीढ़ियों का रंगरोगन कराया गया है।

बीते तीन वर्षों से किराया नहीं दिया जा रहा है। इसका कारण समझ नहीं आया। विभाग किराया दें तो मरम्मत का काम आसानी से होगा। अभी सीढ़ियों की रंगाई पोताई कराई है, वो विभाग के बजट से हुई है, जिससे दूसरे काम भी प्रभावित होते हैं। फाइलें निकाल ली गई हैं, अब किराया लेने की व्यवस्था को फिर से शुरू कराया जाएगा।–जीपी कुशवाहा, जिला विकास अधिकारी

नए पुल के निर्माण में एआई करेगी निगरानी

प्रयागराज। रेलवे अब बड़े पुलों के निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), सीसीटीवी और ड्रोन तकनीक का उपयोग करेगा। निर्माण के दौरान कई बार कुछ ऐसे छुपे हुए हिस्से या सामग्री होती हैं, जिन्हें काम पूरा होने के बाद पहचानना और जांचना कठिन हो जाता है। अब तकनीक आधारित परियोजना प्रबंधन एवं निगरानी प्रणाली इन हिस्सों पर रियल टाइम नजर रखेगी, जिससे गुणवत्ता और समयसीमा दोनों का पालन सुनिश्चित होगा। रेलवे बोर्ड की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, महत्वपूर्ण पुलों और संरचनाओं पर आईपी आधारित सीसीटीवी कैमरा प्रणाली लगाई जाएगी। निर्माण के दौरान छुपे हुए हिस्सों की जियो–टैग की गई तस्वीरें और वीडियो तैयार कर आईआरपीएसएम (भारतीय रेल परियोजना प्रबंधन प्रणाली) पर अपलोड किए जाएंगे। इससे भविष्य में किसी भी जांच एजेंसी को प्रमाण उपलब्ध कराना आसान होगा। इसके साथ ही ड्रोन तकनीक से हर तिमाही में निर्माण प्रगति की लोकेशन आधारित वीडियो रिकॉर्डिंग की जाए और इसे आईआरजीवीएपी (भारतीय रेल जियो वीडियो एप्लीकेशन प्लेटफॉर्म) पर अपलोड किया जाए। फिलहाल आईआरपीएसएम में लगभग 100 परियोजनाओं के ड्रोन वीडियो सुरक्षित रखने की क्षमता है, इसलिए जोनल रेलवे को चुनिंदा अहम परियोजनाओं के वीडियो अपलोड करने को कहा गया है। प्रयागराज में भी यमुना पुल पर नया रेल पुल बनाने की तैयारी चल रही है। इसका सर्वे रिपोर्ट आने के बाद काम शुरू होगा।

आरआई नहीं, अब एआई तय करेगा डीएल दें या नहीं

प्रयागराज। ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) बनवाने की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। अब डीएल के लिए परीक्षा लेने का जिम्मा आरआई के हाथ से निकलकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को मिल गया है। नैनी में यूपी का अत्याधुनिक ऑटोमेटेड ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक सेंटर बनकर तैयार हो गया है, जहां ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदकों का टेस्ट सेंसर और वीडियो कैमरों की मदद से पूरी तरह ऑटोमेटिक तरीके से होगा। नए ऑटोमेटेड ट्रैक पर बाइक, कार और भारी वाहनों के चालकों का अलग–अलग टेस्ट होगा। ट्रैक पर लगे हाईटेक सेंसर और वीडियो कैमरे हर चालक के हर गतिविधि को रिकॉर्ड करेंगे और एआई सॉफ्टवेयर के जरिए यह तय होगा कि आवेदक ने टेस्ट पास किया है या नहीं। अब तक ड्राइविंग टेस्ट आरटीओ के प्रतिसार निरीक्षक (आरआई) के सामने दिया जाता था, जिससे कई बार भेदभाव की शिकायतें आती थीं। लेकिन ऑटोमेटेड सिस्टम में इंसानी दखल खत्म हो जाएगा और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होगी। एआरटीओ राजीव चतुर्वेदी ने बताया कि नैनी में कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होते ही यहां ड्राइविंग टेस्ट शुरू कर दिए जाएंगे। यह ऑटोमेटेड सेंटर प्रयागराज समेत यूपी के 18 मंडलों में बनाया गया है, जिसे एक निजी कंपनी ने अपने खर्चे पर तैयार किया है। नए सेंटर में एल–शेप, स्लोप, ब्रेक टेस्ट जैसे अलग–अलग पैटर्न पर चालक को परखा जाएगा। सेंसर बताएंगे कि कहीं चालक ने लाइन क्रॉस तो नहीं की या समय से पहले ब्रेक तो नहीं लगाया।

12 कस्तूरबा विद्यालयों की 2.57 करोड़ से बदलेगी सूरत

प्रयागराज। मंडल में प्रयागराज और प्रतापगढ़ के 12 कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों की सूरत बदलने के लिए प्रदेश सरकार ने दो करोड़ 57 लाख 37 हजार रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है। जिसमें से 70 फीसदी राशि एक करोड़ 80 लाख 15 हजार 200 रुपये जारी भी कर दी गई है। इन 12 विद्यालयों में मरम्मत का कार्य कराया जाएगा। राज्य परियोजना निदेशक कंचन वर्मा की ओर से प्रतापगढ़ के आठ विद्यालयों के लिए राशि जारी की गई है। जिसमें बाबागंज कस्तूरबा गांधी विद्यालय के लिए 22 लाख 53 हजार में से 15 लाख 77 हजार 100 रुपये, मंगरौरा विद्यालय के लिए छह लाख 28 हजार में से चार लाख 39 हजार 600 रुपये, बिहार विद्यालय के लिए 15 लाख 77 हजार में से 11 लाख 3900 रुपये, कालाकांकर विद्यालय के लिए 34 लाख 97 हजार में 24 लाख 47 हजार 900 रुपये, शिवगढ़ विद्यालय के लिए 19 लाख 65 हजार में से 13 लाख 75 हजार 500 रुपये, कुंडा विद्यालय के लिए 20 लाख 99 हजार में से 14 लाख 69 हजार 300 रुपये, आसपुर देवसरा विद्यालय के लिए सात लाख चार हजार में से चार लाख 92 हजार 800 रुपये, पट्टी विद्यालय के लिए 29 लाख 56 हजार में से 20 लाख 69 हजार 200 रुपये जारी कर दिए हैं। वहीं प्रयागराज के कोरांव कस्तूरबा गांधी विद्यालय के लिए 25 लाख 18 हजार रुपये में से 18 लाख 62 हजार 600 रुपये, फूलपुर विद्यालय के लिए 25 लाख 18 हजार में से 19 लाख 67 हजार 700 रुपये, धनुपुर विद्यालय के लिए 28 लाख 11 हजार में से 19 लाख 67 हजार 700 रुपये और हंडिया विद्यालय के लिए 22 लाख 11 हजार में से 15 लाख 47 हजार रुपये की राशि जारी कर दी है। इसका पत्र जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा व सीडीओ हर्षिका सिंह को भी जारी कर दिया गया है। डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी ने बताया कि राशि आवंटन के बाद काम तेजी के साथ कराया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट और शासन का आदेश, फिर भी अफसर मौन

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक स्कूलों में विज्ञान और गणित विषय के 29334 सहायक अध्यापक भर्ती में रिक्त 1700 से अधिक पदों पर चयन के लिए सुप्रीम कोर्ट और शासन का आदेश होने के बावजूद बेसिक शिक्षा विभाग के अफसर मौन हैं। सर्वोच्च

न्यायालय ने 29 जनवरी को बेसिक शिक्षा विभाग के अफसरों को आदेश दिया था कि इस भर्ती में चयनित न्यूनतम कटऑफ से अधिक अंक पाने वाले उन सभी अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जाए जिन्होंने 31 दिसंबर 2019 के पूर्व सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर शासन के उपसचिव आनंद कुमार सिंह ने 19 जुलाई को महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा को याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों के चयन के निर्देश दिए थे। हालांकि शासन के आदेश के एक महीने बाद भी प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। सालों हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ने वाले बेरोजगार एक महीने से इसी आस में बैठे हैं कि प्रक्रिया शुरू होगी लेकिन बेसिक शिक्षा विभाग के अफसर फाइल दबाए बैठे हैं। गौरतलब है कि 29334 सहायक अध्यापकों की भर्ती 11 जुलाई 2013 को शुरू हुई थी।

महिला ग्राम चौराहा पर सड़क की हुई मरम्मत

प्रयागराज। सुलेमसराय में महिला ग्राम चौराहा पर क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत हो गई। 40 मीटर तक खराब हुए मार्ग पर मंगलवार सुबह से काम शुरू हुआ और देर रात तक चलता रहा। महाकुम्भ के पहले शहर और एयरपोर्ट के बीच सूबेदारगंज आरओबी से जोड़कर बनाई गई सड़क के क्षतिग्रस्त होने से लोगों की परेशानी पर आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान ने मंगलवार के अंक में खबर प्रकाशित की थी। 'बारिश–बाढ़ में बह गया महाकुम्भ में हुआ विकास शीर्षक से प्रकाशित समाचार को प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने संज्ञान में लेकर कार्यदायी संस्था को तत्काल क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत का निर्देश दिया। कार्यदायी संस्था का रोड रोलर सुबह पहुंचा और सड़क पर बिखरी गिट्टियों को समतल करने का काम शुरू किया। गिट्टी समतल करने के बाद शाम को सड़क पर तारकोल बिछाने का काम शुरू हुआ, जो रातभर चला। मरम्मत कार्य के चलते चौराहे पर हाईकोर्ट से सूबेदारगंज आरओबी और धूमनगंज वालों को जाम में फंसना पड़ा। रात में मरम्मत का काम पूरा होने के बाद यातायात सामान्य हो गया। पीडीए के सचिव अजीत कुमार सिंह ने बताया कि पहले भूमिगत पाइप में लीकेज से सड़क खराब हुई। इसकी मरम्मत के लिए सड़क खोदनी पड़ी तो आसपास का हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया था। अब सड़क की मरम्मत करा दी गई है।

12 साल से प्रधानाचार्यों की भर्ती नहीं, कोर्ट पहुंचे शिक्षक

प्रयागराज। प्रदेश के 4512 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में 12 साल से प्रधानाचार्यों की भर्ती न होने पर अब शिक्षकों ने ही मोर्चा खोल दिया है। शिक्षकों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अनुरोध किया है कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को प्रधानाचार्य भर्ती का विज्ञापन जारी करने का आदेश दिया जाए। इस मामले की सुनवाई चार सितंबर को होनी है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि एडेड कॉलेजों में प्रधानाचार्यों के पदों पर लंबे समय से भर्ती नहीं हुई है। इसके चलते पठन–पाठन प्रभावित हो रहा है। लिहाजा आयोग को निश्चित समय में रिक्त पदों को भरने के आदेश दिए जाएं। 632 पदों के लिए 2013 में आया था विज्ञापन प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड ने प्रधानाचार्य के 632 पदों पर भर्ती के लिए 2013 के अंत में विज्ञापन जारी किया था और फरवरी 2014 तक आवेदन लिए गए थे। लंबी कानूनी लड़ाई के बाद चयन बोर्ड ने 11 से 13 नवंबर 2022 के बीच 632 में से 581 पदों का परिणाम घोषित किया था। सभी चयनित प्रधानाचार्य कार्यभार ग्रहण भी नहीं कर सके थे कि हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने प्रक्रिया में नौ साल का समय लगने पर भर्ती निरस्त कर दी थी। बदल गया तदर्थ प्रधानाचार्य का नियम प्रधानाचार्यों की भर्ती न होने पर तदर्थ प्रधानाचार्य की नियुक्ति का नियम बदल गया है।

मोरना क्षेत्र में आवारा कुत्तों के आतंक से नागरिक हलकान, प्रतिदिन दो व्यक्ति होते हैं पीड़ित

मुजफ्फरनगर। ग्रामीण क्षेत्र मे आवारा कुत्तो के आतंक से ग्रामीण हलकान हैं।आवारा कुत्ते के काटने से घायल हुए व्यक्तियों की संख्या मे लगातार वृद्धि हो रही है। क्षेत्र वासियो ने प्राण घातक रेबीज जैसी बीमारी से पीड़ित करने वाले आवारा कुत्तो से निजात दिलाने की गुहार प्रशासन से लगाई है।

'मुज़फ्फरनगर जिले के मोरना, भोपा क्षेत्र मे आवारा कुत्तो की टोलियां दिन रात मुख्य मार्गो से लेकर मोहल्ले की गलियों व चौराहो पर घूम रही है। मुख्य मार्गो पर भटकते कुत्ते दो पहिया वाहनों के लिए दुर्घटना का कारण बने हैं।'

'वहीं रात मे गलियों मे डेरा जमाये कुत्ते गुजरने वालों पर हमलावर हैं। आवारा कुत्तो के भोंकने की आवाज बच्चों को भयभीत कर रही है।वहीं स्कूल जाते बच्चों को कुत्ते काटकर घायल कर रहे हैं। 'ग्रामीणों के अनुसार आवारा कुत्तो की संख्या लगातार बढ़ रही है।काटकर रेबीज जैसी प्राण घातक बीमारी का खतरा उतपन्न करने वाले कुत्ते मल मूत्र से गंदगी भी फैला रहे हैं। 'स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी के अनुसार मोरना व भोपा के अस्पताल मे प्रतिदिन लगभग 50 ––60 व्यक्तियों के एंटी रेबीज का टीका लगाया जाता है। कुत्ते के काटने से घायल हुए मरीजो की संख्या लगातार बढ़ रही है। क्षेत्र के ग्रामीणों ने आवारा कुत्तो से निजात दिलाने की मांग की है।

रालोद नेता को पितृ शोक, अंतिम संस्कार में पहुंचे गणमान्य

मोरना। रालोद के मीरांपुर विधानसभा डॉ. अमित ठाकरान के पिता व प्रसिद्ध समाज सेवी चौधरी भंवर सिंह के निधन से क्षेत्र मे शोक की लहर दौड़ गयी है। उनके अंतिम संस्कार मे गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मोरना स्थित आशाकिरण हॉस्पिटल के संचालक व रालोद नेता डॉ. अमित ठाकरान के पिता 68 वर्षीय चौधरी भंवर सिंह ठाकरान का बुधवार को हृदयगति रुक जाने से निधन हो गया। वह पिछले कुछ बीते कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे।शाम के समय शुकतीर्थ स्थित शमशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्वर्गीय भंवर सिंह को स्पष्टवादी व मुखर समाज सेवी के रूप मे जाना जाता है। स्वर्गीय भंवर सिंह के परिवार मे पत्नी प्रभा पुत्र अमित व यूनीत हैं। उनके अंतिम संस्कार मे रालोद मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, जिलाध्यक्ष संदीप मलिक,जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल,भाजपा नेता अमित राठी,सर्वेन्द्र राठी, शहज़ाद प्रधान, राजेश सहरावत, पंकज माहेश्वरी,विनोद शर्मा,नरेन्द्र राठी,वरुण सहरावत, संजय रवि,अर्जुन तनेजा,असजद एडवोकेट,सहित, सपा, कांगेस, भाजपा नेता मौजूद रहे।

संस्कृत भाषा में वैश्विक ज्ञान का ज्ञान समाहित

प्रयागराज। प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भय्या) विश्वविद्यालय प्रयागराज के संस्कृत विभाग में छात्र परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। छात्र परिसंवाद कार्यक्रम में पं. दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के संस्कृत विभाग के सहायक

आचार्य सुकवि डॉ. सूर्यकान्त त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा के संवाहक संस्कृत भाषा में विश्व के ज्ञान का भी ज्ञान समाहित है। अखण्ड भाव बोध की व्यवहार मूलकता से समन्वित संस्कृत शास्त्र परम्परा में जीवन पद्धति का स्पष्ट उदघोष है। कार्यक्रम संचालक डॉ. पीयूष मिश्र ने कहा कि संस्कृत भाषा में ज्ञान संपदा का विपुल भण्डार है । वैश्विक एकता एवं मानवता की स्थापना के लिए संस्कृत भाषा का प्रादुर्भाव हुआ। आभार ज्ञापिका डॉ. प्रिया झा ने कहा कि संस्कृत में संस्कार का समाहार है। डॉ. सौरभ द्विवेदी, अनन्त जी मिश्र, नितिन त्रिपाठी, शिखा श्रीवास्तव, हंसमुख कुमारी, अंजली पाण्डेय, अदिति, विनीत, गरिमा, पूनम, आयुषी, दीपांकर तिवारी आदि उपस्थित रहे।

यूपी में यूरिया की किल्लत तो वहीं नेपाल में 10 गुनी कीमत पर बिक रही खाद यह किसानों के साथ धोखाधड़ी : लोकदल

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में खाद की किल्लत के बीच तस्कर नेपाल भेज कर मुनाफा कमा रहे हैं तो मुनाफे पर लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी सुनील सिंह ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रदेश में किसान आज भी अपनी फसल बचाने के लिए खाद (यूरिया) के लिए तरस रहे हैं। उन्हें सरकारी दफ्तरों और खाद विक्रेताओं के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जबकि अफसर खुलेआम झूठ बोल रहे हैं कि पर्याप्त यूरिया उपलब्ध है। असलियत यह है कि प्रदेश का यूरिया धड़ल्ले से नेपाल की सीमा पार तस्करी हो रहा है और वहां 10 गुनी कीमत पर बेचा जा रहा है। यह धंधा इतनी बड़ी पैमाने पर बिना सरकार और अधिकारियों की मिलीभगत के संभव ही नहीं है। सवाल है,आखिर किसकी सरपरस्ती में यह काला कारोबार चल रहा है? लोकदल अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि सरकार की चुप्पी और आंख मूंद लेना इस कांड में उनकी सीधी भागीदारी को साबित करता है। यह किसानों के साथ खुली धोखाधड़ी है और प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर सीधा हमला है।

पैड़ पौधे ही प्रत्येक व्यक्ति को प्राण वायु देने में सहायक : बीईओ उरुवा

अडेनियम एक खूबसूरत पौधा है, जिसे रेगिस्तानी गुलाब भी कहा जाता है

मेजा। बीआरसी उरुवा के सभागार में बुधवार को एफएलएन प्रशिक्षण के पश्चात शिक्षकों को ष अडेनियम पौधा ष वितरित किया गया। यह पौधा उरुवा के पूर्व एआरपी प्रीतम दास के सौजन्य से शिक्षकों को पर्यावरण के प्रति बढ़ावा देने के लिए वितरित किया गया। पूर्व एआरपी प्रीतम दास ने बताया कि अडेनियम एक खूबसूरत पौधा है। जिसे रेगिस्तानी गुलाब भी कहा जाता है। यह अपने आकर्षक फूलों और असामान्य रूप से मोटे तने के लिए जाना जाता है। इसे घर में गमले में उगाया जा सकता है और बोनसाई के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। अगर देश का प्रत्येक व्यक्ति श्वृक्षों को बचाओ, पौधों को लगाओश की पहल करे तो हमारे देश में प्राकृतिक परिवर्तन देखने को जरूर मिलेगा। क्योंकि वृक्ष ही हैं, जो बारिश को धरती पर लाने में मदद करते हैं। इतना ही नहीं ये वृक्ष प्रत्येक व्यक्ति को प्राण वायु देने में भी सहायक होते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा वरुण मिश्रा द्वारा शिक्षकों को ष अडेनियम पौधा ष वितरण किया गया। बीईओ उरुवा ने कहा कि एक आदमी एक दिन में इतनी ऑक्सीजन लेता है,जितने में,3 ऑक्सीजन के सिलेंडर भरे जा सकते हैं। एक ऑक्सीजन सिलेंडर की कीमत होती है 700 रुपया। इस तरह हम देखते हैं कि एक आदमी एक दिन में 2100 रुपया (700ग्3) की ऑक्सीजन लेता है और 1 साल में 766500 रुपया की तथा अपने पूरे जीवन में अगर आदमी कि उम्र 65 साल हो लगभग 5 करोड़ रुपये की ऑक्सीजन लेता है। जो कि पेड़–पौधों द्वारा हमे मुफ्त में मिलती है। इसीलिये हम उन्ही पेड़ पौधों को बढ़ाने और बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उक्त अवसर पर पूर्व सीनियर एआरपी सन्दर्भदाता राजेश मिश्रा, प्रीतम दास, पुष्पेंद्र शुक्ला, वर्तमान एआरपी अजीत मिश्रा, रामानन्द शुक्ला व बीआरसी उरुवा के लेखाकार कृष्ण कुमार शुक्ला आदि शिक्षक उपस्थित रहे।।

गंगानाथ झा परिसर में संस्कृत सप्ताह महोत्सव सम्पन्न

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का समापन कार्यक्रम आज सम्पन्न हुआ। संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम में अन्तर्विद्यालय स्तरीय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में योगसूत्र, संक्षेपरामायण, नीतिशतक, अमरकोष आदि ग्रन्थों पर आधारित प्रतियोगिताएँ सम्मिलित रहीं। समापन कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत कर उन सभी का उत्साहवर्धन किया।

प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों एवं गुरुकुलों के छात्र जिनमें महिला सेवा सदन इन्टर कॉलेज, श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय, सेण्ट एन्थोनी गर्ल्स इन्टर कॉलेज, केन्द्रीय विद्यालय ओल्ड कैंट, श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय समेत विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र–छात्राओं ने प्रतियोगिताओं में बढ़–चढ़कर भाग लिया था। प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र–छात्राओं को प्रमाणपत्र एवं स्मारिका कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. ऋषिकान्त पाण्डेय, आचार्य, दर्शन शास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी तथा सहायक निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे द्वारा प्रदान किया गया।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. ऋषिकान्त पाण्डेय, विभागाध्यक्ष, दर्शन शास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रहे। उन्होंने अपने उद्बोधन में संस्कृत भाषा की महत्ता से छात्र–छात्राओं को परिचित कराते हुए समस्त पुरस्कृत छात्र–छात्राओं को उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने सभी पुरस्कृत छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएँ प्रदान की। इस अवसर उन्होंने संस्कृत भाषा की व्यापकता एवं अवसरों से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया। समापन सत्र में उपस्थित छात्र–छात्राओं, अध्यापक–अध्यापिकाओं

एवं अभिभावकों का स्वागत परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक एवं सह निदेशक प्रो. देवदत्त सरोदे ने किया।

कार्यक्रम का संयोजन पुरालिपि एवं पाण्डुलिपि विभागाध्यक्ष प्रो. अपराजिता मिश्रा एवं संग्रहालयाध्यक्षा सुश्री अश्विनी राजेश लंके ने किया। कार्यक्रम में समस्त उपस्थित जनों का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी, सहायकाचार्य तथा संचालन श्री अंकित मिश्र, सहायकाचार्य ने किया। इस अवसर पर परिसर के समस्त शैक्षिक अधिकारी, कर्मचारीगण, शोध छात्र–छात्राओं समेत अन्य सभी छात्र समुपस्थित रहे।

एलडीए भ्रष्टाचार का महल, जहाँ सच बोलना गुनाह, और वसूली पुण्य

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विकास प्राधिकरण के गेट नंबर 2 के सामने एक बुजुर्ग शख्स ने अनशन का डेरा डाल दिया था। अरे भाई, ये कोई साधारण अनशन नहीं, बल्कि उस सड़ांध के खिलाफ बगावत है, जो बाजार खाला क्षेत्र स्थित मोती झील कॉलोनी और एलडीए के प्रवर्तन–7 में फूलों की तरह खिल रही है। सोचिए, एक तरफ जनता इंसाफ की आस में टकटकी लगाए बैठी है, और दूसरी तरफ एलडीए के महान अधिकारी अवैध निर्माणों को वैध का तमगा बांट रहे हैं, बस जेब में मोटी रकम की खनक चाहिए! एलडीए विभाग का नजारा कुछ ऐसा है कि अगर आपने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत ठोंक दी, तो बधाई हो, आपने डिजिटल कचरे के ढेर में एक और कागज जोड़ दिया।

शिकायतों का निपटारा? अरे, वो तो फर्जी तरीके से चुटकियों में हो जाता है, जैसे कोई जादूगर अपनी टोपी से खरगोश निकाल ले। और अगर आपने सच बोलने की हिम्मत की, तो तैयार रहिए, एलडीए के इंजीनियर और अधिकारियों का गठजोड़ आपको ऐसा उलझाएगा कि आप खुद को अपराधी ठहरते देखेंगे। सचमुच, यहाँ सच बोलना तो सबसे बड़ा गुनाह जो ठहरा! और फिर आते हैं सरदार सतनाम सिंह, जो बीस साल से राजनाथ सिंह की विशेष योजना में जुटे हैं। उन्होंने तो एलडीए को भ्रष्टाचार का ताज पहनाते हुए साफ कह दिया, इससे बड़ा भ्रष्ट मठ कहीं और नहीं। हजारों फाइलें गायब, शिकायतकर्ताओं पर इल्जामों की बौछार, और इंसाफ की उम्मीद? वो तो बस एक सपना, जो एलडीए के गलियारों में कहीं खो गया। यहाँ तो शिकायतकर्ता को ही बदनाम करने का ऐसा खेल चलता है, मानो जनहित की बात करना कोई राष्ट्रीय अपराध हो। और फिर आते हैं मोतीझील कॉलोनी के स्वच्छ भारत वाले कारनामे! 4000 गाड़ियाँ कचरे की, सीधे मोतीझील में डंप! अरे, ये कचरा नहीं, मानो एलडीए ने कोई कबाड़खाने का गिनीज रिकॉर्ड बनाने की ठान ली हो। सतनाम सिंह ने जब इस महायज्ञ पर सवाल उठाया, तो एलडीए का जवाब? शिकायतकर्ता को ही खलनायक बना दो! कचरा तो बस बहाना है, असली खेल तो वसूली का मेला सजाने और भ्रष्टाचार को शहंशाह बनाने का है। तो भैया, अगली बार गली में कचरा दिखे, तो शिकायत नहीं, सलाम ठोक देना, ये है एलडीए का विकास राग!

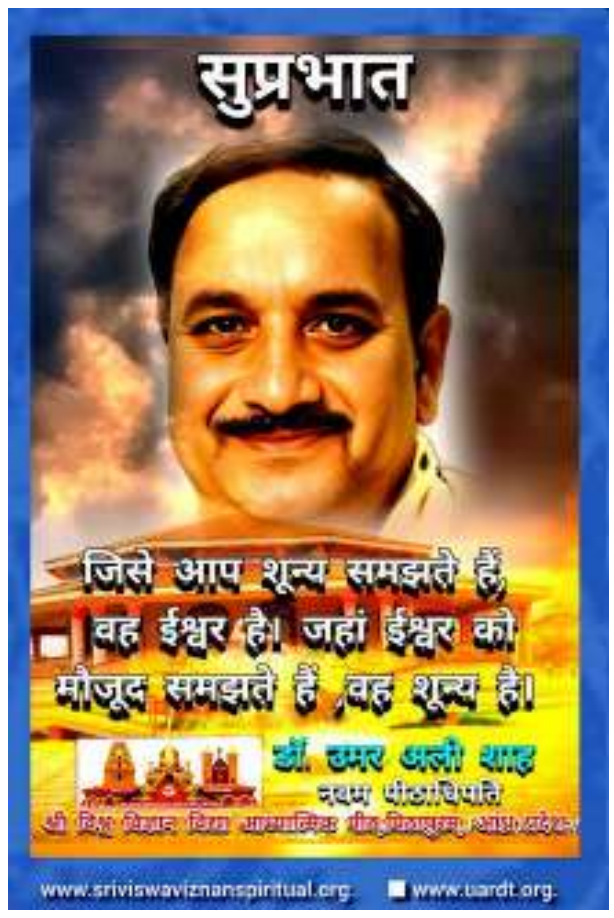

बारिश होती एक सी

(कुण्डलिया)

बारिश होती एक–सी, अलग–अलग हैं देश।
टप टप करती सब जगह, कभी न करती क्लेश।
कभी न करती क्लेश, प्यास वह सबका हरती।
नदी पोखरा ताल, सभी में जीवन भरती।
सबसे करें प्रदीप,मात्र बस यही गुज़ारिश।
जीवन का हर रंग, दिखाती है यह बारिश।।

किस्मत की ही बात है,आफत आयी गाढ़।
दिखते हैं कोई नहीं, उतर गई जब बाढ़।
उतर गई जब बाढ़, दिखा तब घर का मंजर।
सड़ा हुआ आनाज, दिवारें जर्जर जर्जर।
सुन लो कहें प्रदीप,जिन्हें था सबसे निस्बत।
उनको मिला प्रकाश, न रूठी उनकी किस्मत।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

32वे मिस एंड मिस्टर यूपी का पोस्टर लांच आगामी माह में होगा भव्य आयोजन

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन द्वारा आगामी माह एक भव्य आयोजन "मिस एंड मिस्टर उत्तर प्रदेश दृ ऐ टैलेंट हंट विध ए डिफरेन्स का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत पोस्टर लांच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट एसोसिएशन के सचिव वामिक खान ने बताया इस प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल सौंदर्य या मंचीय आकर्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रतिभागियों की प्रतिभा, व्यक्तित्व, आत्मविश्वास, संवाद क्षमता और सामाजिक सोच को प्रोत्साहित करना है। यह प्रतियोगिता उन युवाओं के लिए एक अनोखा मंच है, जो अपने भीतर छुपी कला और क्षमता को दुनिया के सामने लाना चाहते हैं। यह प्रतियोगिता पिछले 32 वर्ष से उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित की जा रही है जिसमें प्रमुख रूप से फिल्मी कलाकार उपस्थित रहते हैं स प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताओ में प्रतिभागियों के व्यक्तित्व और कला का समग्र मूल्यांकन,नृत्य, गायन, अभिनय, फैशन वॉक, वाद–विवाद एवं सामाजिक मुद्दों पर दृष्टिकोण की प्रस्तुति। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कारों के साथ–साथ राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने का अवसर। पोस्टर अनावरण में पूर्व मिस उत्तर प्रदेश तनिष्क शर्मा , प्रभाती पांडे, वैष्णवी दुबे, काजल इसरानी ,मनीषस सिंह ,दामिनी सिंह तथा पूर्व मिस्टर उत्तर प्रदेश देवेंद्र प्रताप सिंह , निहिल श्रीवास्तव अंतर्राष्ट्रीय कोरियोग्राफर, आफताब कुरेशी समाजसेवी, उपस्थित रहे स कार्यक्रम संयोजक एडविन मैंसी ने बताया कि हमारी संस्था उत्तर प्रदेश के युवाओं को निरंतर मंच प्रदान कर रही है तथा उन्हें आत्मनिर्भर बना रही है सहम लोग पूरे उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में ऑडिशन कर चयनित करेंगे स इस अवसर पर दीप सच्चर, अभिषेक राजपूत ,आरिफ खान, शान फरीदी, आभास मौर्य, सुफियान बेग , नीतीश शिवहरे आदि उपस्थित रहे।

अचानक हुई झमाझम बारिश, मोहनलालगंज में बरगद का पेड़ गिरा

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के कई इलाकों में आज बारिश हुई। आसमान में बादल छाए हैं। हल्की हवाएं चल रही हैं। उमसभरी गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। आज राजधानी का अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 25 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। उमस से राहत मिलेगी, लेकिन नमी का असर बना रहेगा। मौसम विभाग ने अगले 4–5 दिन तक मौसम का मिजाज ऐसा ही रहने की संभावना जताई है। आज सुबह से मौसम साफ था। सुबह करीब

11 बजे अचानक मौसम का मिजाज बदला। गोमती नगर, हजरतगंज, लालबाग, मोहनलालगंज में बारिश हुई। मोहनलागंज में मौरावां रोड पर बरगद का पेड़ गिर गया। इससे आवाजाही बाधित हो गई। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, लखनऊ में अगले 5 दिनों तक रुक–रुककर बारिश होती रहेगी। दिन में बादल छाए रहेंगे। शाम के वक्त कई इलाकों में हल्की से मध यम बारिश की संभावना है।

सम्पादकीय.....

घातक प्लास्टिक

इसमें दो राय नहीं कि मानव जीवन की सुविधा के लिये बना प्लास्टिक आज हमारी धरती के लिये ही घातक साबित हो रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो प्लास्टिक हमारे ग्रह का दम घोंट रहा है। निस्संदेह, इसको नष्ट करना बेहद कठिन है क्योंकि धरती में दबाएं तो भूमि की उर्वरता पर संकट आता है। इसको जलाएं तो विषैली गैसों से वातावरण प्रदूषित होता है। ये जल्दी से गलता भी नहीं है। अब तो महानगरों व शहरों की जलनिकासी को प्लास्टिक गहरे तक बाधित कर रहा है। यहां तक कि प्लास्टिक के बारीक कण मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर रहे हैं। प्लास्टिक समुद्र में जा रहा है तो मछलियों को जहरीला बना रहा है। नदी, पहाड़ और मैदान सब प्लास्टिक कचरे के आगोश में हैं। लेकिन सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि भयावह संकट के बावजूद इससे निबटने के उपायों को लेकर वैश्विक सहमति नहीं बन पा रही है। वैश्विक प्लास्टिक संधि पर जिनेवा वार्ता विफल होने से इस बाबत वैश्विक विभाजन पूरी तरह उजागर हो गया है। दरअसल, लगभग सत्तर देशों का एक उच्च महत्वाकांक्षी समूह, जो प्लास्टिक पर वैश्विक सीमा और खतरनाक रसायनों पर नियंत्रण की मांग कर रहा है, अब तेल व पेट्रोकेमिकल उत्पादक एक समूह के खिलाफ खड़ा है, जो रीसाइक्लिंग, अपशिष्ट प्रबंधन और स्वैच्छिक प्रतिबद्धताओं को दर्शा रहे हैं। इस समूह में भारत भी शामिल है, जिसे दुनिया का सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक होने का दर्जा दिया जा रहा है। कहा जा रहा है कि वैश्विक प्लास्टिक उत्सर्जन में लगभग बीस फीसदी हिस्सा भारत का है। भारत इस बात पर जोर देता रहा है कि इस दौरान चरणबद्ध समाप्ति की समय सीमा वाले उत्पादों या रसायनों की कोई वैश्विक सूची नहीं होनी चाहिए। भारत की दलील तार्किक है कि विभिन्न देशों की राष्ट्रीय परिस्थितियों और क्षमताओं पर उचित विचार किया जाना चाहिए। विडंबना यह है कि भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पेट्रोकेमिकल क्षेत्र, माइक्रो प्लास्टिक प्रदूषण का भी एक प्रमुख स्रोत है। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि इस तरह के प्रदूषण का पारिस्थितिकीय तंत्र, जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य पर गहरा असर होता है। खासकर हमारे शरीर पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। निश्चित रूप से यह एक हकीकत है कि औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन साधना एक टेढ़ी खीर है। लेकिन इसके बावजूद इस दिशा में सार्थक प्रयास करने जरूरी हैं। इस संकट से मुकाबला करने के लिये भारत को समान विचारधारा व परिस्थितियों वाले चीन, रूस और सऊदी अरब जैसे देशों के साथ मिलकर काम करना होगा। बहुत संभव है कि प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय कानून बाध्यकारी साधन के रूप में कारगर सिद्ध हो सके, लेकिन इससे लोगों और पर्यावरण के प्रति सरकारों की जिम्मेदारी कम नहीं हो सकती। बहुत संभव है कि प्रदूषणकारी उद्योगों पर कार्रवाई कड़ा संदेश दे सकती है। वहीं दूसरी ओर भारत सरकार को पहचाने गए एकल–उपयोग वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध की प्रभावशीलता और उसके प्रवर्तन में कमियों का भी गंभीरता से आकलन करना चाहिए। इसके लिये जनजागरण अभियान चलाने की भी जरूरत है ताकि लोग प्लास्टिक के विकल्प अपनाने के प्रति उत्साह दिखाएं। अंततरू सभी प्रमुख हितधारकों दृ केंद्र सरकार व राज्यों की सरकारें, जनता, उद्योग जगत को देश में प्लास्टिक के खतरनाक स्तर को कम करने में मदद करने के लिये आगे आना होगा। हमें ध्यान रखना होगा कि भारत को विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने का सपना पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण को अपनाए बिना पूरा नहीं हो सकता। यह हमारे पर्यावरण संरक्षण के अलावा नागरिकों के स्वास्थ्य से जुड़ा मुद्दा भी है। लोगों को समझना होगा कि सिंगल यूज प्लास्टिक के विकल्प अपनाने में उनका ही लाभ है। हम बाजार से सामान लाने में प्लास्टिक के थैलियों के इस्तेमाल के बजाय कपड़े या अन्य वैकल्पिक साधनों को अपनाएं। हमें स्कूली पाठ्यक्रमों में भी प्लास्टिक संकट को एक विषय के रूप में अपनाना होगा। ताकि देश की भावी पीढ़ी प्लास्टिक के खतरों से अवगत हो। हमारी साझी पहल ही रंग ला सकती है।

और घिर गया चुनाव आयोग

डॉ. दीपक पाचपोर

चुनाव आयोग को यह गलतफहमी रही होगी कि उसकी प्रेस कांफ्रेंस के बाद विपक्ष थोड़ा दब जाएगा। लेकिन अब विपक्ष दोगुनी ताकत से चुनावी घोटाले पर आवाज उठा रहा है।

रविवार को मुख्य चुनाव आयुक्त समेत तीनों चुनाव आयुक्तों की प्रेस कांफ्रेंस से देश में मताधिकार की रक्षा और मत चोरी के सवाल पर नयी हलचल खड़ी हो चुकी है। चुनाव आयोग को यह गलतफहमी रही होगी कि उसकी प्रेस कांफ्रेंस के बाद विपक्ष थोड़ा दब जाएगा। लेकिन अब विपक्ष दोगुनी ताकत से चुनावी घोटाले पर आवाज उठा रहा है। सोमवार को आठ विपक्षी दलों के सांसदों ने दिल्ली के कॉस्टीट्यूशन क्लब में प्रेस कांफ्रेंस की। खास बात यह थी कि इसमें आम आदमी पार्टी से सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए, जबकि आप ने घोषणा की है कि वह अब इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं है। कांग्रेस से गौरव गोगोई और नासिर हुसैन, सपा से रामगोपाल यादव, राजद से मनोज झा, वामदलों से जॉन ब्रिटास, डीएमके से तिरुचि शिवा, शिवसेना से अरविंद सावंत और टीएमसी से महुआ मोइत्रा इन आठ सांसदों ने पत्रकारों के जरिए देश के सामने फिर से निर्वाचन आयोग पर गंभीर सवाल उठाए। बल्कि कुछ ऐसे सवाल भी उठे, जिनमें निर्वाचन आयोग की सत्तापक्ष की तरफ झुकाव का साफ आरोप था। हमने इसी जगह कल लिखा था कि निर्वाचन आयोग 7 अगस्त की राहुल गांधी की प्रेस कांफ्रेंस के बाद केवल वक्तव्य जारी कर रहा था, जबकि उसके पास सामने आकर जवाब देने के लिए पूरा वक्त था। लेकिन आयोग ने सामने आकर अपनी बात रखने के लिए वही दिन चुना जब राहुल गांधी और तेजस्वी यादव बिहार में वोटर अधिकार

यात्रा पर निकल रहे थे। फिर भी बड़ी संख्या में पत्रकार चुनाव आयोग की प्रेस कांफ्रेंस में पहुंचे और यह देखकर अच्छा लगा कि कमोबेश तमाम पत्रकारों ने सीधे–सीधे सवाल चुनाव आयोग से किए। यह खेदजनक है कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एक बार में पांच–पांच सवाल तो सुने, लेकिन किसी का भी सीधा जवाब नहीं दिया। जलेबी की तरह बात को घुमाया जाता रहा कि वोट चोरी के आरोप लगाना संविधान का अपमान है, हमारे सामने सब समकक्ष हैं, कोई पक्ष–विपक्ष नहीं है, सच सच होता है और सूरज पूरब से निकलता है। 80 मिनट की प्रेस कांफ्रेंस के बाद ज्ञानेश कुमार अपने सहयोगियों के साथ उठकर चले गए, लेकिन 79 बरसों से जो लोकतंत्र देश में बना हुआ है, उसे बचाए रखने की कोई आश्वस्ति उनके जवाबों से नहीं मिली। लिहाजा सोमवार को पांच दिनों के अंतराल के बाद फिर से जब संसद का मानसून सत्र लगा तो विपक्ष को विरोध के लिए संसद परिसर में उतरना पड़ा। लोकसभा और राज्यसभा के भीतर भी स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) पर चर्चा की मांग विपक्ष करता रहा। जिसके कारण सदन बाधित हुआ। आसंदी पर बैठे महानुभावों का कहना है कि एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है इसलिए उस पर चर्चा नहीं हो सकती। तो क्या यही तर्क चुनाव आयोग पर लागू नहीं होता कि जब दो दिन में सुप्रीम कोर्ट फिर से अपनी सुनवाई को आगे बढ़ा रहा है और हो सकता है इस बार कोई फैसला ही आ जाए, तब चुनाव आयोग को छुट्टी के दिन दोपहर में प्रेस कांफ्रेंस क्यों की, क्या आयोग कुछ दिन और नहीं रुक सकता था। सोमवार को विपक्षी दलों की प्रेस कांफ्रेंस में यह मुद्दा भी उठा। इसके अलावा बिहार में एसआईआर की गड़बड़ियों पर पुराने सवालों को विपक्ष ने दोहराया। ज्ञानेश कुमार के लिए सवाल उछाला गया कि जब कश्मीर से कन्याकुमारी तक मतदान केंद्रों के बाहर महिलाएं खड़ी रहती हैं और उनसे मीडिया बात करता है, तब क्या माताओं–बहनों की निजता का हनन नहीं होता। महुआ मोईत्रा ने बताया कि ममता बनर्जी ने सबसे पहले प.बंगाल में दो–दो एपिक कार्ड की गड़बड़ी पकड़ी थी तो संजय सिंह ने दिल्ली का उदाहरण दिया कि विधानसभा चुनावों से पहले कई सांसदों के घरों पर 15–20 लोगों के मतदान कार्ड बने। जॉन ब्रिटास ने बताया कि केरल की एकमात्र सीट किस तरह बीजेपी ने जीती तो अरविंद सावंत ने बताया कि किस तरह चुनाव आयोग पूरी तरह से सत्ता के पक्ष में है, क्योंकि शिवसेना का नाम और निशान पार्टी तोड़ने वाले एकनाथ शिंदे को दिया गया, जबकि वे इसके पात्र नहीं थे। गौरव गोगोई ने पूछा कि राहुल गांधी को एफिडेविट दिखाने कहते हैं तो अनुराग ठाकुर से एफिडेविट क्यों नही मांगते। और रामगोपाल यादव ने उन शपथपत्रों की पावती दिखा दी, जो चुनाव आयोग ने सपा के 18 हजार शपथपत्रों पर दी थी। राजद सांसद मनोज झा ने संविधान के अपमान वाले बयान पर ज्ञानेश कुमार को घेरा कि आपसे सवाल करना संविधान का अपमान नहीं है, क्योंकि आप संविधान से हैं, खुद संविधान नहीं हैं। श्री झा ने पहले निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन का स्मरण ज्ञानेश कुमार को कराया कि उन्होंने जिस तरह का मापदंड स्थापित किया था, चुनाव आयोग को उसके मुताबिक चलना चाहिए, सरकार के निर्देशों पर नहीं।

अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है विपक्ष

ललित गर्ग

भारत का लोकतंत्र विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यह केवल संख्याओं और मतों का खेल नहीं है, बल्कि एक ऐसी जीवंत प्रक्रिया है जिसमें सत्ता और विपक्ष दोनों की समान रूप से महत्वपूर्ण भूमिका होती है। सत्ता पक्ष जहां शासन संचालन और नीतियों को लागू करने के लिए जिम्मेदार होता है, वहीं विपक्ष लोकतंत्र का प्रहरी बनकर उसके हर कदम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है, असंतोष को स्वर देता है और जनभावनाओं

को दिशा देता है। लेकिन वर्तमान विपक्ष इन भूमिकाओं में नकारा साबित हो रहा है, ऐसा प्रतीत होता है कि विपक्ष अपनी ही बिसात पर मात खा रहा है, जिस तरह से विपक्ष और विशेषतः कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट चोरी, ईवीएम में गड़बड़ी एवं मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण पर बेतूके एवं आधारहीन आरोप लगाये हैं, उससे संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा तो आहत हुई ही है, लेकिन विपक्ष की भूमिका भी कठघरे में दिख रही है। यह अच्छा हुआ कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर वोट चोरी सहित ऐसे ही बेहूदा, आधारहीन एवं गुमराह करने वाले राहुल गांधी के आरोपों का न केवल बिन्दुबार जबाव दिया, बल्कि उन्हें बेनकाब करते हुए यह भी कहा कि वे या तो अपने निराधार आरोपों के सन्दर्भ में शपथ पत्र दें या सात दिनों के भीतर देश से माफी मांगें। निश्चित ही राहुल गांधी को ऐसी चेतावनी देना आवश्यक हो गया था, क्योंकि वे अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिये लोकतंत्र की संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा को धुंधलाने की सारी हदें पार चुके हैं। हाल के दिनों में जिस तरह चुनाव आयोग, मतदाता सूची और वोट चोरी के आरोपों को लेकर बहस छिड़ी है, उसने इस प्रश्न को फिर से गहराई से सोचने को बाध्य किया है कि क्या लोकतंत्र में विपक्ष बेबुनियाद आरोप लगाते हुए अपनी भूमिका को प्रश्नों के घेरे में कब तक डालता रहेगा? विपक्ष बिना ठोस प्रमाण के बड़े आरोप लगाकर लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर देता है। क्या जनहित के नाम पर जनता के व्यापक हित से जुड़े सुधारों का विरोध करना विपक्ष का शगल बन गया है? पिछले एक दशक से विपक्ष लोकतंत्र को सशक्त बनाने की अपनी भूमिका की बजाय उसे कमजोर एवं जर्जर करने में जुटा है। उसने सत्ता–पक्ष को घेरने के लिये जरूरी मुद्दों को सकारात्मक तरीकों से उठाने की बजाय विध्वंसात्मक तरीकों से विकास के जनहितकारी मुद्दों को भी विवाद का मुद्दा बनाते हुए सारी हदें पार कर पार दी है। आधार को बैंक अकाउंट से जोड़ने का मामला हो या अनुच्छेद 370 को खत्म करना हो। सीएए–एनआरसी का मामला हो या हाल में चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन परीक्षण अभियान हो। विपक्ष मोदी सरकार के इन विकासमूलक सुधारों को जनहित के खिलाफ बताते हुए मुखर विरोध कर रहा हैं, जो लोकतंत्र को धुंधलाने की एक बड़ी साजिश प्रतीत होती है। निश्चित ही विपक्ष की इस खींचतान में सबसे बड़ी क्षति जनता की आस्था की होती है। जब चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता संदिग्ध बनाई जाती है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। लोकतंत्र में हार–जीत से भी बड़ा मुद्दा चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता होता है। विपक्ष केवल सत्ता की आलोचना करने के लिए नहीं है। उसका दायित्व है कि वह जनता की समस्याओं जैसे बेरोजगारी, महंगाई, जीएसटी की अतिश्योक्तिपूर्ण वसूली, पर्यावरण, सफाई, नारी की असुरक्षा जैसे ज्वलंत मुद्दों को उजागर करे, ठोस विकल्प प्रस्तुत करे और लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती में योगदान दे। केवल आरोप–प्रत्यारोप में उलझकर यदि विपक्ष अपनी ऊर्जा खर्च कर देता है तो वह जनता का विश्वास खो देता है। यही कारण है कि आज विपक्ष की स्थिति कमजोर मानी जा रही है, क्योंकि वह केवल आरोप लगाता हुआ दिखता है, समाधान प्रस्तुत करने में पिछड़ जाता है। सत्ता पक्ष को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र केवल बहुमत से नहीं चलता, बल्कि सहमति और पारदर्शिता से भी चलता है। यदि विपक्ष लगातार सवाल उठा रहा है तो सत्ता पक्ष का कर्तव्य है कि वह धैर्यपूर्वक उत्तर दे, जाँच के रास्ते खोले और हर आरोप को तथ्यों से परखे। विपक्ष को नकार देना लोकतंत्र को कमजोर करना है। जब सत्ता और विपक्ष के बीच टकराव बढ़ता है, तब न्यायपालिका अंतिम सहारा बनती है। यही कारण है कि आज बार–बार सुप्रीम कोर्ट से हस्तक्षेप की माँग उठती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है, क्योंकि इसका अर्थ है कि जनता और राजनीतिक दल चुनाव आयोग व अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा नहीं कर पा रहे। इसलिए न्यायपालिका की भूमिका भी अब केवल विवाद सुलझाने की नहीं रह गई है, बल्कि लोकतंत्र के विश्वास को पुनः स्थापित करने की हो गई है, जबकि यह कार्य राजनीतिक दलों एवं चुनी हुई सरकारों का होता है। लोकतंत्र का सार यही है कि सत्ता और विपक्ष दोनों एक–दूसरे के पूरक हों, शत्रु नहीं। विपक्ष को केवल विरोध की राजनीति से बाहर आकर वैकल्पिक दृष्टिकोण देना होगा, और सत्ता–पक्ष को भी यह समझना होगा कि विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र का अभिन्न हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रारंभ से ही विपक्ष को महत्व दिया है, उन्होंने संवेदनशील सरकार के साथ सृजनात्मक नेतृत्व का परिचय दिया है लेकिन विपक्ष जब आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह से घिरा हो तो सकारात्मक दिशाएं कैसे उद्घाटित हो सकती है? आज की राजनीति में लोकतंत्र और विपक्ष के बीच खींचतान तेज़ है। यह टकराव लोकतंत्र को कमजोर करने वाला नहीं बल्कि उसे और परिपक्व बनाने वाला होना चाहिए। आवश्यकता इस बात की है कि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका निभाए और सत्ता पक्ष उसकी आलोचना को स्वीकार कर उत्तरदायित्वपूर्ण जवाब दे। तभी लोकतंत्र की असली शक्ति और जनता के विश्वास को बनाए रखा जा सकता है। लोकतंत्र की शक्ति केवल सरकार में नहीं बल्कि एक सशक्त और रचनात्मक विपक्ष में भी निहित होती है। विपक्ष लोकतांत्रिक ढांचे का आवश्यक स्तंभ है, जो सत्ता पर निगरानी रखता है, नीतियों में कमियों को उजागर करता है और जनता की आवाज़ को सदन तक पहुँचाता है। लेकिन जब विपक्ष अपनी इस जिम्मेदारी को भूलकर केवल नकारात्मक राजनीति पर उतर आए, तो लोकतंत्र की नींव कमजोर होने लगती है और देश की छवि तथा स्थिरता पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो जाता है। आज भारत का विपक्ष जिस तरह संसद को ठप करने, व्यक्तिगत हमलों, दुष्प्रचार और असंवेदनशील आचरण पर आमादा है, उसने लोकतंत्र की गरिमा को ठेस पहुँचाई है। संसद सत्र, जहाँ जनता की समस्याओं का समाधान खोजा जाना चाहिए, वहाँ विपक्ष का रवैया अवरोध पैदा करने वाला अधिक दिखता है। महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा के बजाय नारेबाज़ी और वॉकआउट आम बात हो गई है। यह स्थिति केवल सरकार ही नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए घातक है। इतिहास गवाह है कि जब–जब विपक्ष ने रचनात्मक भूमिका निभाई है तो लोकतंत्र और मजबूत हुआ है। 1977 में आपातकाल के विरोध से लेकर 1989 तक विपक्ष ने लोकतंत्र को बचाने और पुनर्जीवित करने का कार्य किया। लेकिन 2014 के बाद से जिस तरह विपक्ष अपरिपक्व, निरंतर बिखरा हुआ, नेतृत्वविहीन और नकारात्मक एजेंडे पर केंद्रित रहा है, उसने लोकतांत्रिक संस्कृति को आघात पहुँचाया है। विदेशी ताकतें हमेशा से भारत की आंतरिक कमजोरी का फायदा उठाने की फिराक में रहती हैं। जब विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करने के नाम पर राष्ट्र–विरोध, राष्ट्रीय सुरक्षा, सेना की कार्रवाई या विदेश नीति तक पर सवाल उठाने लगता है, तो इसका सीधा लाभ पाकिस्तान और चीन जैसे देशों को मिलता है।

फ़ोटो की बदलती दुनिया में फ़ोटो का छाया नशा

आज के आधुनिकीकरण की बढ़ती दुनिया में फोटोग्राफी में नित नई नई तकनीकि का अनूठा विकास सबको हैरान कर चुका है । अतीत के दिनों में काम तो निबटाते मगर आधुनिक सुविधा की कमी में लोग हैरान रहकर खुश रहते । बात फोटो की है, अतीत के दिनों में फोटो स्टूडियो में फ़ोटो खींचवाने की उत्तम व्यवस्था में घर जैसा माहौल मिलता । इसमें सभी को खूब चाव भी रहता । फोटो के साथ एक एलबम भी रखने का चाव बना रहता, फोटो और एलबम की एक युगल जोड़ी घर घर में होना लाजिमी था । फोटो खिंचवाने के बाद स्टूडियो से फोटो घर पर लाने और खुद देखने के अलावा फ़ोटो को घर आये मेहमानों को दिखाने का चाव भी अलग उत्साहित करता । फोटो संग्रह की परिपाटी में घर के लोग जुटे रहते । एलबम भर जाता । घर के मेहमानों के आगमन में फ़ोटो से भरा एकबम सौंपते। फुर्सत में फ़ोटो देखते देखते समय काटते । उसमें समय कैसे कब बीत जाता, पता ही नहीं चलता सपरिवार के सिर पर खुशियां के चार चांद लगते ।फोटो से खूब वार्तालाप होती,एक दूसरे में फोटो की यादों का चाव बना रहता । स्टुडियो की फोटो खिंचवाने का यह चाव अवकाश के दिन चढ़ता । मांगलिक सुअसवर पर तो बात ख़ास बन जाती । दो चार मित्र जुटते एक फोटो खिंचाने की खुशी सिर पर सवार होती । कुछ वर्षों पूर्व फोटो खिंचवाने का एक ही साधन स्टूडियो ही होता था । मनपसंद फोटोशूट में केवल स्टूडियो में सभी बेशक झूमते पहुँचते थे । फोटोशूट करने में स्टूडियो में फोटोग्रॉफी का दक्ष व्यक्ति हमको संवरने का संकेत देता । स्टूडियो में कांच के ग्लास से फ़ोटो का शोरूम भी होता, एक फोटो के आकार, अच्छी फोटो के डिजाइन को सजाकर रखते । वे फ़ोटो लुभाती । हम खींचे स्टूडियो में घुसकर फोटो खिंचवाने में फोटो को देखरेख करके वैसी ही फोटो खिंचवाने में फोटोग्राफी करने में खड़े होते । उसमें बन्धु मित्र सपरिवार स्टूडियो उसी से मिलती जुलती फोटो खिंचवाकर उसे देखने की ललक में चलकर स्टूडियो पहुंच जाते । एक सामूहिक फोटोशूट करने में न जाने कितने पापड़ बेलने पड़ते थे । पीछे अलग अलग हाथ के बने डिजाइन के पर्दे उनकी तस्वीरों को फोटोज के लिए बार बार बदला जाता । उसमें सबको आनंद का अनुभव होता । अतीत के दिनों में फोटोज की सजीवता स्टुडियो में खास अनुभव होती । दो लाइट लगी रहती । जैसे ही लाइट जलती फोटो की खातिर फोटोग्राफी करने वाला कभी हंसने को कहता भी गर्दन नीचे कंरने को कहता । कुछ समय तक पहले खुश होते चेहरे को संवारने में मग्न होते ।कोई मुंह में पावडर लगाता तो कोई अपने केश को संवारने में कंघी करता। फोटोज के पहले कोई टाई पहनता ।कोई फूल का गुलदस्ते के साथ खड़ा होता, नाना प्रकार की फोटोज उतराने का चाव स्टूडियो के भीतर अपने आप में आनन्द की वर्षा से कम नहीं होता । बात फोटो के धुलाई की होती ।वह हाथ से होती । एक बाल्टी में पानी लिए अंधेरे के कमरे में फोटो तैयार होती । यह फोटो के तकनीकि विकास के पहले की तस्वीर कई बार खराब होती तो सारे किये पर पानी फिर जाता । फिर फोटोज को खिंचवाने को फोटोग्राफर बुलाते। ऐसे में फिर जाना पड़ता ।हालाँकि उस समय डिजिटल कैमरे और स्मार्टफोन के आविष्कार की कल्पना तक किस नहीं की, इनका नाम तक किसी ने नहीं सुना । इसका विकास होगा, किसी ने सोचा तक नहीं । बिल्कुल कल्पना से दूर का विषय था। आधुनिक युग में आजकल फोटो भी एक भारी नशे में परिवर्तित है। आज स्टूडियो है मगर ऐसे आनंद उत्साह में नहीं। आज एक अनपढ़ भी फोटो खींचने में स्टूडियो तक नहीं जाता। विज्ञान तकनीकि विकास में फोटो खींचने से भेजने तक अपनी ताकत दिनभर फोटो में लगाता है । वह भी अब्बल है फोटोग्राफी में । एक सेकेंड में फोटो खींचता है दुनियाभर में अपनी पहचान बनाने की प्रतियोगिता में उतावला दिनभर व्यस्त है । स्टूडियो में जाने का झंझट अब कौन पाले ।कारण पहली बात फुर्सत नहीं दूसरी बात अब सबकुछ खुद के पास आधुनिक सुविधा से भरपूर यंत्र हरदम पास में है । हर व्यक्ति फोटो खींचता झलकता है। व्यस्तता में पूरी तरह रम गया है । आजकल फोटो स्टूडियो में फोटो साफ नही होती अब उनको आधुनिक डिजिटल तरीके से साफ करके मिनट में आवश्यक आकार में प्राप्त करने की होड़ मची है। फोटो ग्राफी की विकसित दुनिया में अतीत व वर्तमान में कितना बदलाव आया है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती।

ललित शर्मा, असम

शादी के बाद भी नहीं हिचकिचाईं ये बॉलीवुड एक्ट्रेसेस, फिल्मों में दिए खूब इंटीमेट सीन और तोड़ डाले सारे रिकॉर्ड

बॉलीवुड में ऐसी कई एक्ट्रेसेस हैं जिन्होंने शादी के बाद भी अपने काम को पूरी शिद्दत से किया है और बोल्ड सीन्स देने में जरा भी संकोच नहीं किया।

इन एक्ट्रेसेस ने फिल्मों में ऐसे सीन दिए कि उन्हें देखकर दर्शक भी हैरान रह गए। आइए जानते हैं कुछ ऐसी ही एक्ट्रेसेस के बारे में।

करीना कपूर

शादीशुदा होने के बाद भी करीना कपूर अपने काम को लेकर काफी प्रोफेशनल रही हैं। फिल्म की एंड का में उन्होंने अर्जुन कपूर के साथ कई इंटीमेट सीन दिए थे जिनकी केमिस्ट्री की खूब चर्चा हुई थी। यह फिल्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

दीपिका पादुकोण

फिल्म गहराइयां में दीपिका पादुकोण ने भी शादी के बाद सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ काफी इंटीमेट सीन दिए। इन सीन्स ने फिल्म में काफी सुर्खियां बटोरी थीं। यह फिल्म आप एमएक्स प्लेयर पर देख सकते हैं।

ऐश्वर्या राय बच्चन

फिल्म ऐ दिल है मुश्किल में ऐश्वर्या राय ने रणबीर कपूर के साथ बोल्ड सीन्स देकर सबको चौंका दिया था। शादीशुदा होने के बावजूद उन्होंने इन सीन्स में कोई हिचकिचाहट नहीं दिखाई। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

काजोल

फिल्म फना में काजोल और आमिर खान की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। काजोल ने शादी के बाद भी फिल्म में इंटीमेट सीन दिए थे जो दर्शकों को काफी पसंद आए। यह मूवी आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

प्रियंका चोपड़ा

ग्लोबल एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड फिल्म क्वांटिको में कई बोल्ड सीन दिए थे। उनकी पावरफुल परफॉरमेंस ने सभी का ध्यान खींचा था। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है।

राधिका आप्टे

राधिका आप्टे ने फिल्म पार्च्ड में काफी इंटीमेट सीन दिए थे जिसकी वजह से फिल्म को काफी आलोचना भी झेलनी पड़ी थी। राधिका का बेबाक अंदाज और पावरफुल परफॉरमेंस इस फिल्म में देखने लायक है जो प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

सनी लियोनी

सनी लियोनी ने भी कई फिल्मों में इंटीमेट सीन दिए हैं। फिल्म रागिनी एमएमएस 2 में उनके बोल्ड सीन्स देखकर दर्शक दंग रह गए थे। यह फिल्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर लॉन्च इवेंट रोकने पर भड़कीं पल्लवी जोशी, कहा- यह हमारी फिल्म पर नहीं, लोकतंत्र पर वार है

फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' से बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने वाले निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री अब अपनी अगली चर्चित फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' लेकर आ रहे हैं। हालांकि, रिलीज से पहले ही यह फिल्म विवादों के घेरे में आ गई है। कोलकाता में हाल ही में आयोजित हुए ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम को पुलिस द्वारा रोक दिए जाने के बाद मामला गरमा गया है। इस विवाद पर अब फिल्म की मुख्य एक्ट्रेस और निर्माता विवेक अग्निहोत्री की पत्नी पल्लवी जोशी ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला बताया है। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च पर रोक के बाद पल्लवी जोशी ने इस पूरे घटनाक्रम को लेकर दिल्ली में आयोजित ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम के दौरान अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा– "राज्य सरकार की यह कार्रवाई पूरी तरह असंवैधानिक है। हमने अगस्त का महीना इसलिए चुना क्योंकि फिल्म की कहानी बंगाल से जुड़ी है। पर हमें बोलने नहीं दिया गया। यह न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि भारत के संविधान के भी खिलाफ है। उन्होंने आगे कहा "यह सिर्फ हमारी फिल्म पर हमला नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना पर सीधा वार है। हमारी फिल्म मानव जीवन और गरिमा जैसे गंभीर मुद्दों को उठाती है और जिस तरह राज्य सरकार ने इसे दबाने की कोशिश की, उससे हमारे फिल्म का विषय और भी प्रासंगिक हो गया है।इसके अलावा दूसरे इंटरव्यू में द बगांल फाइल्स एक्ट्रेस ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा– उस दिन ट्रेलर लॉन्च के दौरान जो कुछ भी हुआ, वह न सिर्फ एक फिल्म पर नहीं, बल्कि लोकतंत्र पर भी हमला था। हम लोगों और भारत की आवाज को दबाया गया। मानव जीवन और गरिमा का आभाव जैसे विषय पर हमारी फिल्म बनी है, राज्य सरकार ने इस पर रोक लगाकर हमारे सब्जेक्ट को सही ठहरा दिया है। बता दें, कुछ दिनों पहले कोलकाता के एक होटल में फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया था। लेकिन कार्यक्रम के दौरान स्थानीय पुलिस वहां पहुंच गई और आयोजन को रोकने का आदेश दे दिया। पुलिस का कहना था कि इस कार्यक्रम के लिए आयोजकों ने प्रशासन से पूर्व अनुमति नहीं ली थी। इस आधार पर ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम को बीच में ही स्थगित करवा दिया गया। बता दें, फिल्म द बगांल फाइल्स का निर्देशन विवेक अग्निहोत्री ने किया है और पल्लवी जोशी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म को 5 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा।

कमल हासन को गला काटने धमकी देने वाला एक्टर अब खुद पहुंचा कोर्ट, गिरफ्तारी से बचने के लिए मांगी अग्रिम जमानत

तमिलनाडु के चर्चित टीवी एक्टर टी. रविचंद्रन बीते दिनों उस वक्त विवादों में आ गए जब उन्होंने दिग्गज एक्टर और मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) प्रमुख कमल हासन को लेकर एक यूट्यूब इंटरव्यू में आपत्तिजनक टिप्पणी की। रविचंद्रन ने कथित तौर पर कमल हासन को गला काटने की धमकी दी थी, जिससे मामला गरमा गया और उनके खिलाफ सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) ने एफआईआर दर्ज कर ली। अब रविचंद्रन ने खुद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए खुद ही मद्रास हाई कोर्ट में पहुंचे हैं और अग्रिम जमानत की याचिका दायर की है। यह विवाद उस वक्त शुरू हुआ जब कमल हासन ने एक्टर सूर्या के अगरम फाउंडेशन की 15वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम में शिक्षा के महत्व पर बयान दिया। अपने भाषण में कमल हासन ने कहा "शिक्षा वह हथियार है जिससे हम सनातन धर्म की बेड़ियों को तोड़ सकते हैं।" उन्होंने इस दौरान नीट परीक्षा की भी आलोचना की और कहा कि यह प्रणाली कई गरीब छात्रों के डॉक्टर बनने के सपनों को कुचल देती है। कमल हासन के इस बयान के बाद, टी. रविचंद्रन ने एक यूट्यूब चौनल को दिए इंटरव्यू में बेहद आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा "अगर कमल हासन ऐसे बयान देते रहे, तो मैं उनका गला काट दूंगा।" उनकी इस धमकी के बाद डछड पार्टी के उपाध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी एजी मोर्या ने चेन्नई पुलिस कमिश्नर के पास शिकायत दर्ज करवाई। यह मामला तुरंत सीसीबी को सौंपा गया और अभिनेता रविचंद्रन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। वहीं, अब टी. रविचंद्रन ने मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और खुद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए अग्रिम जमानत की मांग की है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा उनका बयान जानबूझकर नहीं था और वो केवल भावनाओं में बहकर बोल गए थे। उन्होंने कमल हासन को धमकाने का कोई इरादा नहीं रखा था। वह एक सम्मानित परिवार से ताल्लुक रखते हैं। कोर्ट जो भी शर्तें लगाएगा, वह उन्हें मानने को तैयार हैं। 18 अगस्त को जस्टिस जी. जयचंद्रन ने सरकारी वकील को निर्देश दिया कि वे सीसीबी से इस केस पर आवश्यक जानकारी प्राप्त करें। इसके बाद न्यायालय ने इस मामले की सुनवाई को 20 अगस्त तक स्थगित कर दिया है।

यादों में अच्युत पोतदारः एक्टिंग से पहले बॉर्डर पर कर चुके हैं देश की सेवा

मराठी और हिंदी फिल्मों के दिग्गज अभिनेता अच्युत पोतदार अब इस दुनिया में नहीं रहे। सुपरहिट फिल्म 3 इडियट्स में कॉलेज प्रोफेसर की भूमिका निभाने वाले एक्टर ने 91 वर्ष की आयु में आखिरी सांस ली। वह बॉलीवुड के जाने–माने कैरेक्टर एक्टर रहे हैं, जिन्होंने कई फिल्मों और टीवी शोज में यादगार किरदार निभाए। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि उन्होंने एक्टिंग में आने से पहले भारतीय सेनामें भी सेवा दी थी। अच्युत मध्य प्रदेश के रीवा में प्रोफेसर थे और बाद में भारतीय सेना में कैप्टन के रूप में देश की सेवा की। अच्युत 1967 में सेना से सेवानिवृत्त हुए। आर्मी और कॉरपोरेट करियर के बाद, उन्होंने फिल्मों में कदम रखा। उनकी एक्टिंग ने सबका दिल जीत लिया और वे इंडस्ट्री के सबसे भरोसेमंद कैरेक्टर एक्टर्स में गिने जाने लगे। उन्होंने लगे रहो मुन्ना भाई, दिल है कि मानता नहीं, हंसी तो फंसी, 3 इडियट्स जैसी फिल्मों में अहम किरदार निभाए। खासतौर पर वे कॉलेज प्रोफेसर, बाबूजी और बुजुर्ग पिताजी के रोल में बहुत पसंद किए गए। फिल्मों के अलावा उन्होंने टीवी और थिएटर में भी काम किया और अपनी सादगी व नैचुरल एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता। अच्युत पोतदार ने सेना में देश की सेवा करने के बाद एक्टिंग की दुनिया में आकर अपनी पहचान बनाई। उनकी मेहनत और लगन ने उन्हें बॉलीवुड का एक सम्मानित कलाकार बना दिया था।

घोड़ों के शौकीन और करोड़ों के मालिक हैं रणदीप हुड्डा, मना रहे 49वां जन्मदिन

बॉलीवुड अभिनेता रणदीप हुड्डा आज यानी की 20 अगस्त को अपना 49वां जन्मदिन मना रहे हैं। एक्टर रणदीप हुड्डा ने अपनी दमदार एक्टिंग से बॉलीवुड में खास पहचान बनाई है। वह एक कमाल के एक्टर हैं। हालांकि उन्होंने अपने अब तक के करियर में ज्यादा सफल फिल्में नहीं दी हैं। उन्होंने बॉलीवुड के कई बड़े अभिनेताओं के साथ काम किया है। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर अभिनेता रणदीप हुड्डा के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

हरियाणा के रोहतक में 20 अगस्त 1976 को रणदीप हुड्डा का जन्म हुआ था। उन्होंने अपनी शुरूआती पढ़ाई रोहतक के मॉर्डन स्कूल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने दिल्ली पब्लिक स्कूल में एडमिशन लिया और फिर आगे की पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया का रुख किया। उन्होंने मार्केटिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की और बिजनेस मैनेजमेंट में मास्टर्स किया।

फिल्मी सफर

बता दें कि रणदीप हुड्डा ने साल 2001 में फिल्म श्मॉनसून वेडिंगश से बॉलीवुड इंडस्ट्री में कदम रखा था। लेकिन अभिनेता को असली पहचान फिल्म श्डीश से मिली थी। इसके बाद अभिनेता को पीछे मुड़कर देखने की जरूरत नहीं पड़ी। रणदीप हुड्डा ने अपनी हर फिल्म में शिद्दत से काम कर लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है।

नेटवर्थ

रणदीप हुड्डा करोड़ों के मालिक हैं और अगर उनकी नेटवर्थ की बात करें, तो एक रिपोर्ट के मुताबिक, अभिनेता की नेटवर्थ 70–80 करोड़ रुपए है। अभिनेता हर फिल्म के लिए 5–10 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। अभिनेता को घोड़ों का शौक है और उनके पास 6 घोड़े हैं। वहीं अभिनेता रणदीप हुड्डा अपना प्रोडक्शन हाउस भी चलाते हैं। इसी प्रोडक्शन हाउस के तले अभिनेता स्वतंत्र वीर सावरकर जैसी फिल्म ला चुके हैं।

ग्लोइंग स्किन के लिए ये २ विटामिन हैं फायदेमंद, अगर कमी हुई तो डाउन हो जाएगा निखार

चेहरे को ग्लोइंग बनाने के लिए लोग न जाने क्या नहीं करते हैं। फेस मास्क लगाना, पील–ऑफ मास्क लगाना या स्क्रब करना। लेकिन फिर भी चेहरे पर ग्लो नहीं आता है। अगर आपको स्किन ग्लोइंग चाहिए तो आप इन 2 विटामिन का होना जरुरी है। आइए जानते हैं इनके बारे में विस्तार से–

भारत में त्योहारों का सीजन आ चुका है। ऐसे में सभी को चेहरा ग्लोइंग चाहिए होता है। सैलून में जाकर महंगे–महंगे ट्रीटमेंट कराते हैं लेकिन उनमें खतरनाक केमिकल होते हैं जो बाद में स्किन को खराब करते हैं। वहीं, महंगे–महंगे स्किन केयर के प्रोडक्ट खरीद तो लेते हैं, लेकिन बाद में स्किन में एलर्जी होने लगती है। अगर आप भी चाहते है कि आपकी स्किन चमकदार दिखें तो इन डाइट में इन 2 विटामिन्स को जरुर शामिल करें।

कौन–सी विटामिन त्वचा को करती है ग्लोइंग

यदि शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो चेहरे पर दाग–धब्बे हो जाते हैं। शरीर की सारी चमक गायब हो जाती है। अगर आप डाइट में विटामिन बी12 एड करें तो स्किन शाइन करती है। विटामिन बी12 शरीर में हीमोग्लोहिन के उत्पादन और शरीर के ऊतकों को ऊर्जा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं, शरीर में विटामिन बी12 की कमी हो जाए तो यह हाइपरपिग्मेंटेशन का कारण बन सकता है।

इन चीजों में होती विटामिन बी12

ेमइडक के अनुसार शरीर में विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए आप दूध, मछली और अंडे जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना जरूरी है। वहीं, आप वेजिटेरियन हैं तो आप पनीर, मशरुम, ओट्स, दही, चीज, सेब, केला और संतरे का सेवन कर सकते हैं।

विटामिन डी

अगर शरीर में विटामिन डी की कमी हो तो त्वचा रूखी और काली दिखने लगती है। इससे त्वचा का रंग फीका नजर आता है। अगर विटामिन डी कम हो शरीर में, तो डार्क सर्कल दिखने लगते हैं। विटामिन डी त्वचा की कोशिकाओं को डैमेज होने से बचाता है। इस कारण यह जरुरी है कि शरीर में विटामिन डी की कमी न हो।

इन चीजों में होती है विटामिन डी

शरीर में विटामिन डी पाने के लिए आप अंडे, मछली, दूध, दही, पनीर, घी, पालक, मशरुम, अलसी के बीज का सेवन किया जा सकता है। वहीं, आप एवोकाडो, कीवी, अमरूद, पपीता का सेवन कर सकते हैं।

शरीर के लिए अमृत है यह फल, एक बार खाएंगे तो गिनते रह जाएंगे फायदे

बरसात के मौसम में फलों का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इस मौसम में कई पौष्टिक फल होते हैं, जो हमारी सेहत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इनमें से एक खास फल है नाशपाती, जो स्वाद में तो लाजवाब है ही, साथ ही पोषक तत्वों से भी भरपूर है। नाशपाती को सेहत के लिए एक वरदान माना जा सकता है, क्योंकि इसमें कई महत्वपूर्ण विटामिन्स, मिनरल्स और प्लांट कंपाउंड्स होते हैं जो हमें कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। यह फल डायबिटीज और वजन घटाने में सहायक होता हैं। नाशपाती के स्वास्थ्य लाभों पर कई शोध भी किए गए हैं, जो इसके फायदे साबित करते हैं। आइए, जानते हैं नाशपाती खाने के प्रमुख फायदों के बारे में।

पाचन तंत्र को ठीक करे

नाशपाती में मौजूद हाई फाइबर पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदगार साबित होता हैं। यह पाचन तंत्र के लिए जरूरी होते हैं। फाइबर शरीर में जाकर पेट साफ करने में मदद करता है और आंतों की परेशानियों से राहत दिलाता है। एक नाशपाती में करीब 6 ग्राम फाइबर होता है, जो आपकी दैनिक जरूरत का 21 प्रतिशत है। नाशपाती पेक्टिन से भरपूर होता है, जो पेट की सेहत को बेहतर बनाता है। यह फल कब्ज से राहत दिलाता है। नाशपाती के छिलके में पर्याप्त मात्रा में फाइबर होता है, इसलिए इस फल को बिना छीले खाना सबसे अच्छा है।

हृदय स्वास्थ्य को ठीक करे

नाशपाती में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो रक्तचाप को कंट्रोल करने में मदद करता है और हृदय स्वास्थ्य को बनाए रखता है। नाशपाती आपके हृदय के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। इसमें प्रोसायनिडिन नामक एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो दिल के टिशू को सख्त होने से बचाता है। इसके चलते बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) कम होता है और गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) बढ़ता है, जिससे हृदय रोग का खतरा कम होता है। नाशपाती के छिलके में क्वेरसेटिन नामक एक और एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो सूजन को कम करने में मदद करता है और दिल की सेहत को बेहतर बनाता है।

वजन घटाने में असरदार

वजन घटाने में नाशपाती बेहद प्रभावशाली साबित हो सकती है। इसमें कैलोरी की मात्रा कम होती है, जबकि पानी और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है। यह वजन घटाने में मदद करता है, क्योंकि फाइबर और पानी पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं, जिससे आप कम खाने की इच्छा होती हैं। इसका उच्च फाइबर कंटेंट वजन घटाने में मदद कर सकता है क्योंकि यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है और अधिक खाने की इच्छा को कम करता है।

हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायक

नाशपाती में विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन सी हड्डियों के निर्माण और उनकी मजबूती के लिए आवश्यक है, क्योंकि यह हड्डियों में कैल्शियम को सही स्थान पर जमा करने में मदद करता है और हड्डियों की घनत्व को बनाए रखता है।

नाशपाती का सेवन स्किन के लिए फायदेमंद

नाशपाती में विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है, जो त्वचा की चमक को बनाए रखने और उसे स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है। विटामिन ब कोलेजन के उत्पादन को बढ़ावा देता है, जो त्वचा की लोच और मजबूती के लिए महत्वपूर्ण है। नाशपाती में पानी की अच्छी मात्रा होती है, जो त्वचा को हाइड्रेटेड रखने में मदद करता है। अच्छी तरह हाइड्रेटेड त्वचा नर्म और चमकदार रहती है, और जल्दी से सूखती नहीं है।

इन फायदों के साथ, नाशपाती को अपने दैनिक आहार में शामिल करना एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए अच्छा होता है।

यूरिक एसिड की समस्या है तो ना खाएं ये 8 आहार

यूरिक एसिड एक प्रकार का रसायन है जो हमारे शरीर में (प्यूरिन) के टूटने से बनता है। अगर शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा ज्यादा हो जाती है, तो इससे गाउट, किडनी स्टोन, और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। कुछ खाद्य पदार्थ, खासकर सब्जियाँ, यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती हैं। इसलिए, अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से परेशान हैं, तो आपको अपनी डाइट पर ध्यान देने की जरूरत है। आजकल बहुत से लोग यूरिक एसिड बढ़ने से परेशान रहते हैं, यह गाउट, जोड़ों में दर्द, किडनी की पथरी जैसी समस्याओं का बड़ा कारण है, कुछ सब्जियां इसका लेवल बढ़ा सकती हैं। ऐसे में यूरिक एसिड बढ़ने पर आपको कुछ सब्जियों के सेवन से बचना चाइए। इस लेख में हम पांच ऐसी सब्जियों के बारे में जानेंगे जो यूरिक एसिड को बढ़ा सकती हैं।

पालक

पालक में प्यूरिन की उच्च मात्रा होती है, जो शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकती है। हालांकि, पालक पोषक तत्वों से भरपूर होती है, इसलिए इसे सीमित मात्रा में खाना चाहिए। ऐसे में यूरिक एसिड के मरीज पालक का सेवन न करे।

ब्रोकोली

ब्रोकोली में प्यूरिन की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे यह यूरिक एसिड के स्तर को काफी हद तक नहीं बढ़ाती। इसलिए, ब्रोकोली को सामान्य मात्रा में खाना आमतौर पर सुरक्षित होता है। अगर आपको यूरिक एसिड की समस्या है, तो ब्रोकोली को अपनी डाइट में शामिल करना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। हालांकि, आपको एक संतुलित आहार अपनाना चाहिए और डॉक्टर की सलाह के अनुसार खाने की योजना बनानी चाहिए।

फूलगोभी

एक पौष्टिक सब्जी है जो हमारे आहार में शामिल की जाती है। लेकिन फूलगोभी में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, इसलिए यह यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। साथ ही,इसे खाने से शरीर को कई बिमारियों का खतरा बढ़ जाता हैं।

टमाटर

टमाटर में भी प्यूरिन होता है, और यह कुछ लोगों में यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ा सकता है, हालांकि यह प्रभाव अलग–अलग लोगों पर अलग–अलग हो सकता है।

मशरूम

मशरूम में प्यूरिन की मात्रा अधिक होती है, जो यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाने में योगदान कर सकती है।

बीन

विभिन्न प्रकार की बीन्स, जैसे राजमा और चने, में भी प्यूरिन की मात्रा होती है। इन्हें अधिक मात्रा में खाने से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है।

अदरक

अदरक में भी प्यूरीन होता है, जो गाउट (ळवनज) के लक्षणों को बढ़ा सकता है।

हरी मटर

हरी मटर में प्यूरीन की अधिकता होती है, और इसका अधिक सेवन करने से यूरिक एसिड का स्तर बढ़ सकता है।

स्वास्थ्य और सेहत के मामलों में डॉक्टर की सलाह लेना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। विशेषज्ञ से परामर्श करने से आपको सही दिशा–निर्देश मिलते हैं और आपके स्वास्थ्य समस्याओं का सही समाधान होता है। इसलिए, किसी भी स्वास्थ्य समस्या या चिकित्सा स्थिति के लिए डॉक्टर की सलाह अवश्य लें। आपकी सेहत ही सबसे बड़ी संपत्ति है, और इसे ठीक से देखभाल करना आपकी जिम्मेदारी है।

फटे होंठों पर लगानी चाहिए इस तरह की लिपस्टिक, जानिए लिप केयर के ये टिप्स

हर महिला और लड़की को मेकअप करना बेहद पसंद होता है। हालांकि रोजाना कोई हैवी मेकअप नहीं करता है। वहीं बदलते ब्यूटी ट्रेंड में आपको कई तरह के प्रोडक्ट्स देखने को मिलते हैं। वहीं अगर हम रोजाना मेकअप नहीं भी करते हैं, तो लिपस्टिक लगाना जरूर पसंद करते हैं। लेकिन मौसम बदलने या सही तरीके से लिप केयर रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, तो आपके होंठ फटने लगते हैं। आमतौर पर होंठ फटने के कई कारण हो सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि फटे होंठों पर किस तरह लिपस्टिक लगानी चाहिए।

क्यों फटते हैं होंठ

अधिकतर मौसम बदलने के कारण होंठ फटने लगते हैं। ऐसे में हमें रोजाना लिप केयर रूटीन फॉलो करना चाहिए। साथ ही होंठों को सही तरीके और सही मात्रा में पोषण देना चाहिए। ड्राईनेस और होंठों की त्वचा में नमी का कम होना होंठों के फटने का एकमात्र कारण हो सकता है।

फटे होंठों की ऐसे करें देखभाल

होंठों की देखभाल करने के लिए रोजाना लिप केयर रूटीन फॉलो करना चाहिए। इसलिए आप रोजाना दिन में 3–4 बार लिप बाम लगा सकते हैं। होंठों की डेड स्किन को हटाने के लिए आप लिप स्क्रब का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। एक्स्ट्रा लिप केयर के लिए रोजाना होंठों पर रात को सोने से पहले लिप ऑयल अप्लाई कर सकती हैं।

किस तरह लगाएं लिपस्टिक

बता दें कि फटे हुए होंठों पर लिपस्टि लगाने के लिए सबसे पहले लिप को अच्छे से मॉइस्चराइज करें। फिर किसी ऐसी लिपस्टिक का इस्तेमाल करें, जिसमें पहले से ऑयल मौजूद हो। बाजार में आपको कई सारे ब्रांड्स के नारियल के तेल और विटामिन–ई एक्सट्रेक्ट वाले लिपस्टिक शेड्स मिल जाएंगे। अगर आपके होंठ फटे रहते हैं, तो आप मैट लिपस्टिक का इस्तेमाल न करें, बल्कि ग्लॉसी लुक वाली लिपस्टिक का इस्तेमाल करें।

संक्षिप्त

विक्रम सोलर के आईपीओ को पहले दिन 1.52 गुना अभिदान मिला

सोलर मॉड्यूल विनिर्माता विक्रम सोलर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के पहले दिन 1.52 गुना अभिदान मिला। एनएसई के पास उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, आरंभिक शेयर बिक्री में 4,53,61,650 शेयरों के मुकाबले 6,88,40,280 शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। गैर–संस्थागत निवेशकों के हिस्से को 3.84 गुना अभिदान मिला, जबकि खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों (आरआईआई) के हिस्से को 1.36 गुना अभिदान मिला। पात्र संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के हिस्से को 2 प्रतिशत अभिदान मिला। विक्रम सोलर ने सोमवार को एंकर निवेशकों से 621 करोड़ रुपये जुटाए। कंपनी का 315 रुपये से 332 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे के साथ 2,079 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 अगस्त को बंद होगा। इस आईपीओ में 1,500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और इसके प्रवर्तकों द्वारा 1.74 करोड़ से अधिक शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है, जो मूल्य दायरे के ऊपरी छोर पर लगभग 579.37 करोड़ रुपये बैठता है। विक्रम सोलर ने वर्ष 2009 में 12 मेगावाट की स्थापित सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण क्षमता के साथ अपना विनिर्माण कार्य शुरू किया था, जो आज की तारीख में बढ़कर 4.50 गीगावाट स्थापित क्षमता हो गई है। इसकी पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में दो सौर पीवी मॉड्यूल निर्माण सुविधाएं और तमिलनाडु के गंगईकोंडान में दो इकाइयों वाली एक सौर सेल निर्माण सुविधा है। इसने 19 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करते हुए, पूरे भारत में अपनी उपस्थिति स्थापित कर ली है।

रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसे टूटकर 87.16 प्रति डश्वलर पर

एशियाई बाजारों में कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों में नकारात्मक रुख के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए तीन पैसे टूटकर 87.16 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशक रूस–यूक्रेन वार्ता के परिणामों को लेकर सतर्क हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.16 पर खुला जो पिछले बंद भाव से तीन

पैसे की गिरावट दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 87.10 के उच्च स्तर को छू गया था। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 87.13 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.36 पर आ गया। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 146.64 अंक की गिरावट के साथ 81,497.75 अंक पर और निफ्टी 47.5 अंक फिसलकर 24,933.15 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.14 प्रतिशत चढ़कर 65.88 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे और उन्होंने शुद्ध रूप से 634.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

सेंसेक्स,निफ्टी में चार सत्र की तेजी के बाद शुरुआती कारोबार में गिरावट

एशियाई बाजारों में कमजोर रुख के बीच चार सत्र की तेजी के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 146.64 अंक की गिरावट के साथ 81,497.75 अंक पर और एनएसई निफ्टी 47.5 अंक फिसलकर 24,933.15 अंक पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा मोटर्स के शेयर नुकसान में रहे। वहीं इटर्नल, भारती एयरटेल, इन्फोसिस और एनटीपीसी के शेयर में तेजी दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी तथा जापान का निक्की 225 नुकसान में रहे। अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.11 प्रतिशत चढ़कर 65.86 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे और उन्होंने शुद्ध रूप से 634.26 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

मोतीलाल ओसवाल एमएफ ने पेटीएम की मूल कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ाई

मोतीलाल ओसवाल म्यूचुअल फंड ने पेटीएम की मूल कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस में अतिरिक्त शेयर खरीदकर अपनी हिस्सेदारी पांच प्रतिशत से ऊपर कर ली है। म्यूचुअल फंड कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने 11 अगस्त को खुले बाजार से वन 97 कम्युनिकेशंस के 26,31,244 शेयर खरीदे जिससे उसकी हिस्सेदारी 0.41 प्रतिशत बढ़ गई। इसके बाद पेटीएम में मोतीलाल ओसवाल एमएफ की कुल हिस्सेदारी बढ़कर 5.15 प्रतिशत हो गई है। हालांकि, उसने इस शेयर लेनदेन के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया। ये शेयर मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड, फ्लेक्सी कैप फंड, ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड और विभिन्न ईटीएफ योजनाओं समेत 20 से अधिक योजनाओं के जरिये खरीदे गए। मंगलवार को बीएसई पर वन 97 कम्युनिकेशंस का शेयर 4.58 प्रतिशत चढ़कर 1,227.30 रुपये पर बंद हुआ।

आईपीएल 2025 में ऑरेंज कैप और पर्पल कैप जीतने वाले को नहीं मिली जगह, 261 रन बनाकर यह खिलाड़ी टीम में

नई दिल्ली। एशिया कप टी20 2025 के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। 15 सदस्यीय टीम में कुछ चौंकाने वाले नाम रहे। हालांकि, ऐसा कहा जाता है कि टी20 के लिए आईपीएल के प्रदर्शन को भी देखा जाता है। पर इस बार चयन में न तो आईपीएल 2025 के ऑरेंज कैप और न ही पर्पल कैप जीतने वाले खिलाड़ी को टीम में जगह दी गई है। वहीं, लीग में केवल 261 रन बनाने वाले खिलाड़ी को शामिल किया गया। इतना ही नहीं, दो बार से अपनी टीम को फाइनल में ले जाने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को भी जगह नहीं मिली है।

आईपीएल 2025 के शीर्ष–7 भारतीय बल्लेबाजों में से दो टीम में

आईपीएल 2025 में गुजरात टाइटंस से खेलने वाले साई सुदर्शन ने सबसे ज्यादा रन बनाए थे। उन्होंने 15 मैचों की 15 पारियों में 54.21 की औसत और 156.17 के स्ट्राइक रेट से 759 रन बनाए थे। इनमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल हैं। वहीं, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे सूर्यकुमार यादव भारतीय टीम के कप्तान हैं। सूर्यकुमार आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 16 मैचों की 16 पारियों में 65.18 की औसत और 167.91 के स्ट्राइक रेट से 717 रन बनाए थे। इनमें पांच अर्धशतक शामिल हैं।

वहीं, तीसरे स्थान पर 657 रन के साथ विराट कोहली, चौथे स्थान पर 650 रन के साथ शुभमन गिल और पांचवें स्थान पर 627 रन के साथ मिचेल मार्श रहे थे। आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओवरऑल शीर्ष–10 खिलाड़ियों में से सात भारतीय थी और इनमें से सिर्फ दो ही भारतीय खिलाड़ी मौजूदा एशिया कप की टीम में हैं। विराट टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले चुके हैं। आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले शीर्ष–10 खिलाड़ियों में सुदर्शन, सूर्यकुमार और गिल के अलावा श्रेयस अय्यर छठे नंबर पर यशस्वी जायसवाल सातवें नंबर पर, प्रभसिमरन सिंह आठवें नंबर पर और केएल राहुल नौवें नंबर पर रहे थे। जोस बटलर 10वें स्थान पर थे।

आईपीएल 2025 के शीर्ष–7 भारतीय गेंदबाजों में से तीन टीम में

वहीं, बात करें आईपीएल 2025 के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की, तो प्रसिद्ध कृष्णा इसमें शीर्ष पर रहे थे। उन्होंने 15 मैचों में 25 विकेट लिए थे। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 8.27 का और स्ट्राइक रेट 14.16 का रहा था। दूसरे नंबर पर 24 विकेट के साथ नूर अहमद, तीसरे स्थान पर 22 विकेट के साथ जोश हेजलवुड, चौथे स्थान पर 22 विकेट के साथ ट्रेंट बोल्ट, पांचवें स्थान पर अर्शदीप सिंह, छठे स्थान पर 19 विकेट के साथ साई किशोर, सातवें स्थान पर 18 विकेट के साथ जसप्रीत बुमराह, आठवें स्थान पर 17 विकेट के साथ वरुण चक्रवर्ती, नौवें स्थान पर 17 विकेट के साथ क्रुणाल पांड्या और 10वें स्थान पर 17 विकेट के साथ भुवनेश्वर कुमार रहे थे। विदेशी गेंदबाजों को हटा दें तो शीर्ष–10 गेंदबाजों में सात भारतीय रहे। इनमें से सिर्फ तीन गेंदबाजों को ही एशिया कप की टीम में जगह मिली है।

जितेश 261 रन बनाकर टीम में, श्रेयस 604 रन बनाकर शामिल नहीं

आईपीएल 2025 में केवल 261 रन बनाने वाले जितेश शर्मा को स्क्वॉड में जगह दी गई है। उन्होंने कुछ मैचों में आरसीबी की कप्तानी भी की थी। उन्होंने आरसीबी के लिए मैच फिनिशर का रोल निभाया था। इस दौरान उनका औसत 37.29 का और स्ट्राइक रेट 176.35 का रहा था। जितेश ने कम रन जरूर बनाए थे, लेकिन उनकी पारियां प्रभावी और मैच जिताऊ रही थीं। लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ उन्होंने केवल 33 गेंद में नाबाद 85 रन बनाए थे और अपनी टीम को 228 रन चेज करने में मदद की थी। सबसे ज्यादा चौंकाने वाला फैसला श्रेयस अय्यर का नहीं चुना जाना रहा। आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन के बावजूद वह टीम में जगह नहीं बना पाए। इस सीजन उन्होंने 17 मैचों में 50.33 की औसत और 175.07 के स्ट्राइक रेट से 604 रन बनाए। इनमें छह अर्धशतक शामिल हैं। हालांकि, श्रेयस का बैटिंग पोजिशन तीसरा या चौथा नंबर है। तीसरे नंबर पर कप्तान सूर्यकुमार बल्लेबाजी करते हैं, जबकि चौथे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका में लगातार दो शतक लगाने वाले तिलक वर्मा खेलते हैं। तिलक ने हाल फिलहाल में काउंटी क्रिकेट में भी शानदार बल्लेबाजी की थी। उनके फॉर्म को देखते हुए फिलहाल टीम से बाहर करना संभव नहीं था।

किस आईपीएल फ्रेंचाइजी के कितने खिलाड़ी भारतीय टीम में

एशिया कप टी20 के लिए भारतीय टीम में मुंबई इंडियंस के सबसे ज्यादा चार खिलाड़ी हैं। इनमें कप्तान सूर्यकुमार के अलावा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह शामिल हैं। वहीं, टीम में कोलकाता नाइट राइडर्स के तीन खिलाड़ी हैं। इनमें रिंकू सिंह के अलावा हर्षित राणा और वरुण चक्रवर्ती शामिल हैं।

गिल के उपकप्तान बनने से सैमसन के लिए प्लेइंग–11 में जगह बना पाना होगा मुश्किल, अश्विन का बड़ा बयान

चेन्नई। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का स्क्वॉड घोषित हो चुका है। सबसे ज्यादा चर्चा जिस फैसले की हो रही है, वह है शुभमन गिल की वापसी और उन्हें सीधे टी20 टीम का उपकप्तान बनाए जाने का। इसी को लेकर भारत के दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि इस कदम से संजू सैमसन की जगह पर सीधा असर पड़ेगा और वह एशिया कप में प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं बन पाएंगे। अश्विन ने साफ कहा कि गिल को उपकप्तान बनाना सिर्फ मौजूदा टूर्नामेंट के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की कप्तानी को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला लगता है। उन्होंने कहा, हो सकता है कि चयनकर्ता शुभमन गिल को भविष्य का कप्तान मान रहे हों। शायद वह सभी फॉर्मेट में कप्तानी करने वाले खिलाड़ी के रूप में देखे जा रहे हों। हालांकि यह जरूरी नहीं कि हर फॉर्मेट में एक ही कप्तान हो। अश्विन ने इस फैसले का सीधा असर विकेटकीपर–बल्लेबाज संजू सैमसन पर बताया। उनके मुताबिक, सबसे दुखद यह है कि जैसे ही गिल को उपकप्तान बनाया गया, सैमसन की जगह खतरे में पड़ गई।

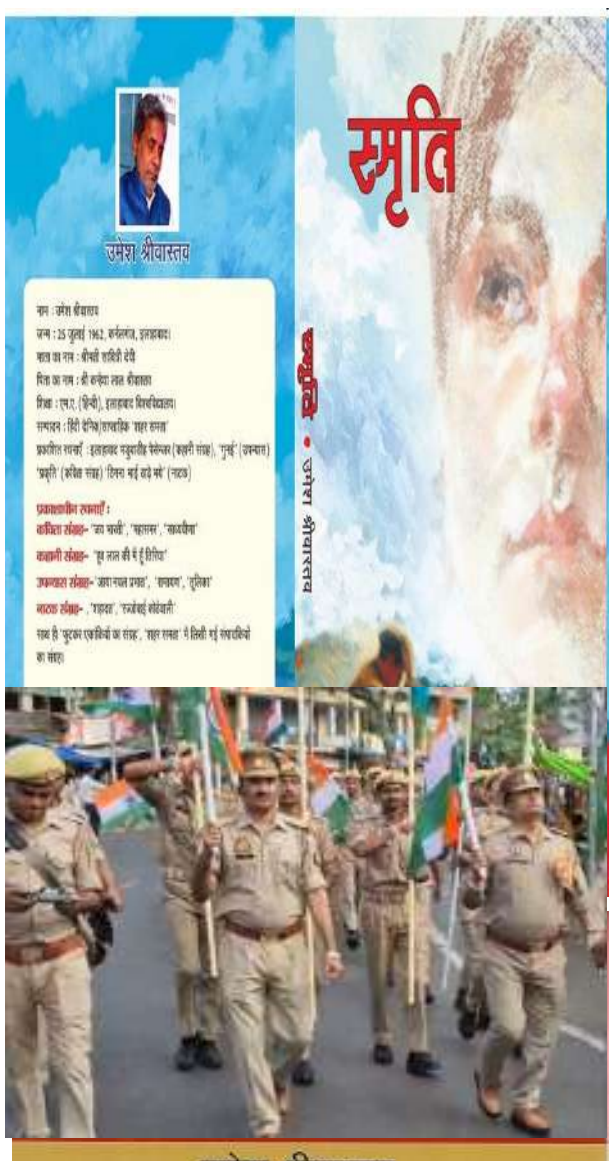

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

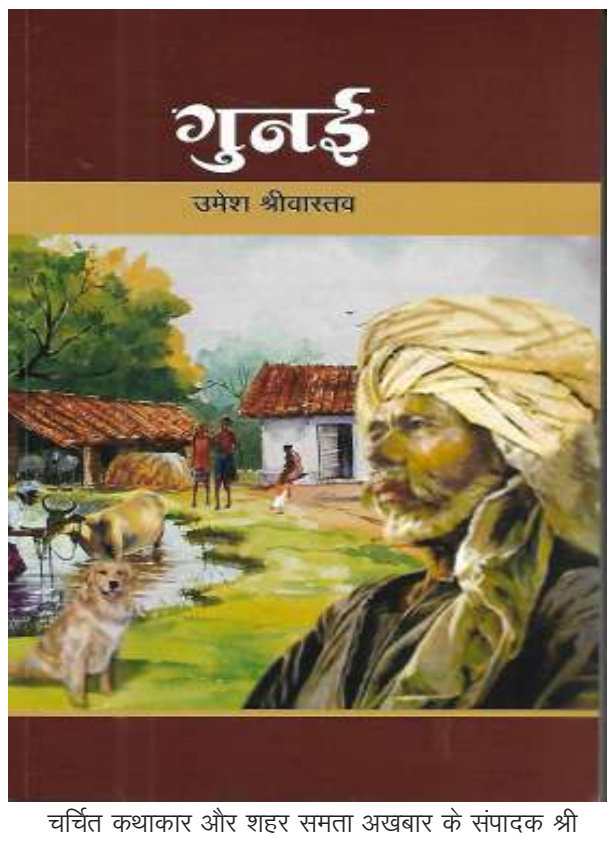

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

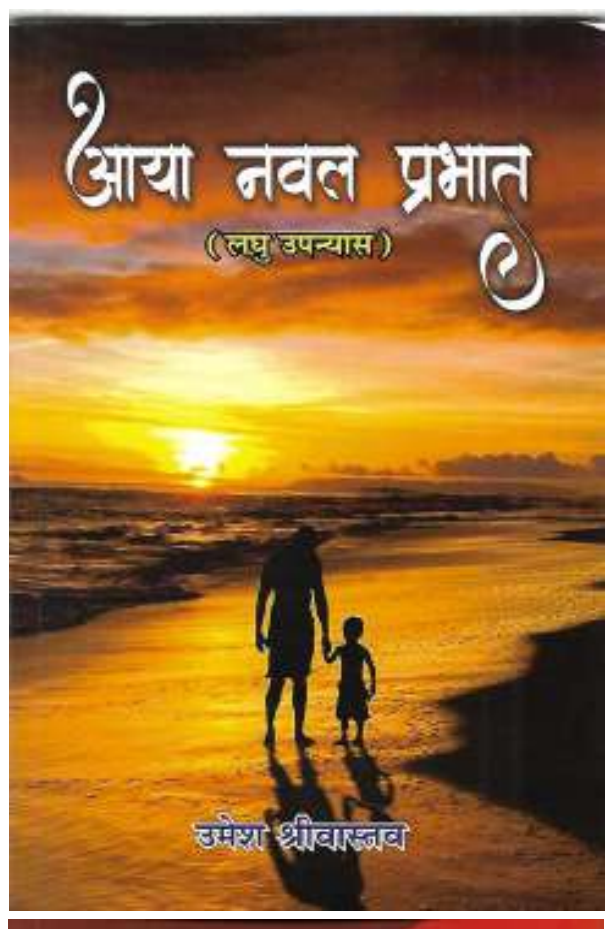

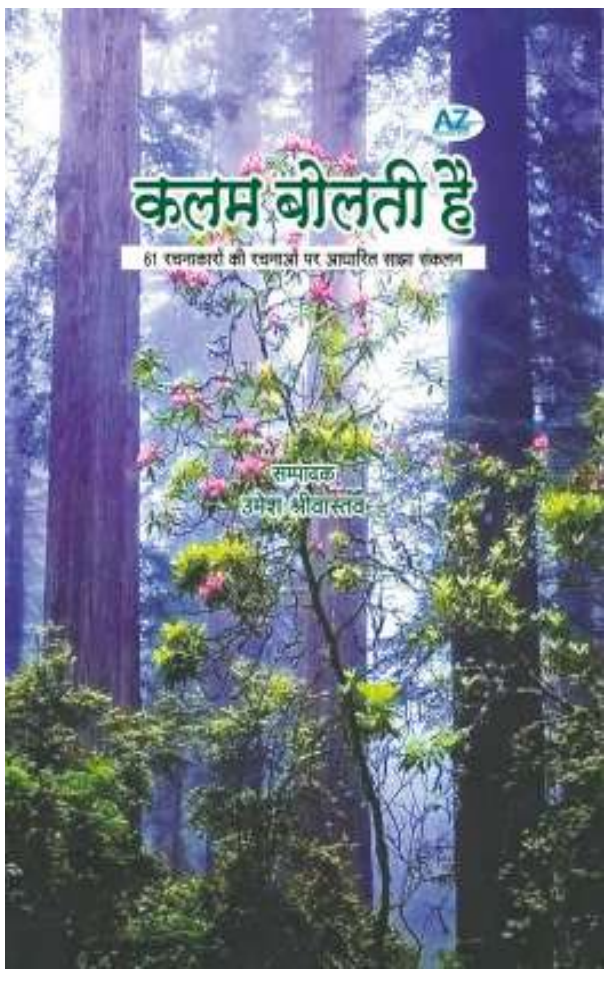

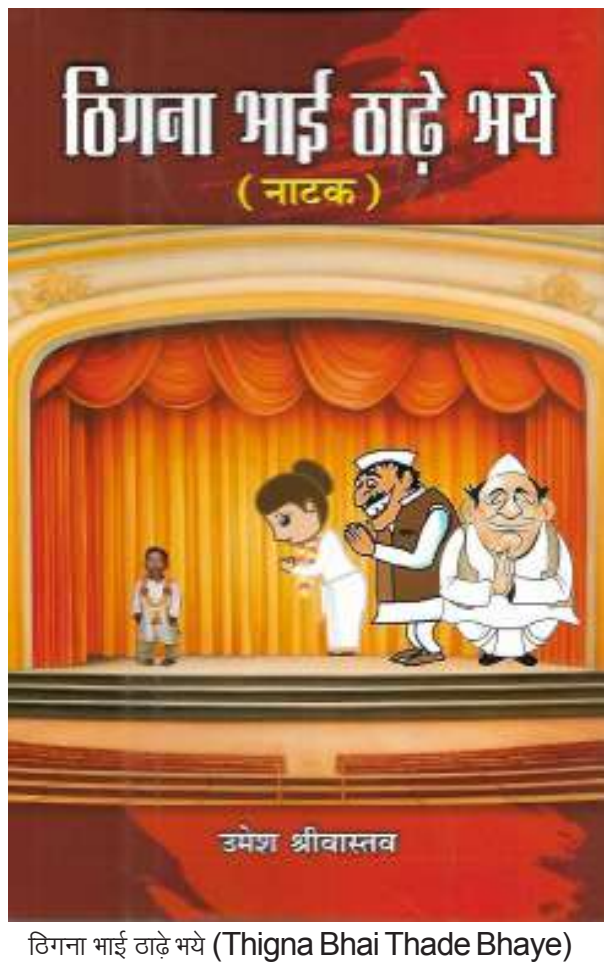

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

रूस पर दबाव के लिए भारत पर ट्रंप का प्रतिबंध, व्हाइट हाउस का बड़ा दावा!

अमेरिकी व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा भारत पर भारी टैरिफ लगाने का फैसला अप्रत्यक्ष रूप से रूस पर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने का दबाव बनाने के लिए था। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि ट्रम्प ने भारत की टैरिफ दर को दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया है – मौजूदा 25 प्रतिशत के ऊपर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क जोड़ दिया है। उन्होंने इस कदम को रूस के साथ व्यापार जारी रखने वाले देशों को निशाना बनाकर मास्को पर दबाव बनाने की प्रशासन की रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने आगे कहा राष्ट्रपति ने इस युद्ध को समाप्त करने के लिए जनता पर भारी दबाव डाला है। जैसा कि आपने देखा है, उन्होंने भारत पर प्रतिबंध और अन्य कदम भी उठाए हैं, उन्होंने आगे कहा कि उनका उद्देश्य मास्को पर दूसरा दबाव डालना था। उन्होंने आगे कहा ष्उन्होंने दूसरों के इस विचार का मज़ाक उड़ाया है कि हमें किसी भी बैठक से पहले एक महीने और इंतज़ार करना चाहिए। राष्ट्रपति आगे बढ़ना चाहते हैं, और वह इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करना चाहते हैं। यह ट्रंप द्वारा व्हाइट हाउस में यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की की मेज़बानी के कुछ ही दिनों बाद आया है, जहाँ दोनों नेताओं ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित त्रिपक्षीय वार्ता की दिशा में प्रगति का संकेत दिया था। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए दृढ़ हैं। लेविट ने कहा राष्ट्रपति आगे बढ़ना चाहते हैं और वह इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करना चाहते हैं. .. नाटो महासचिव सहित सभी यूरोपीय नेताओं के व्हाइट हाउस छोड़ने के बाद, वे सभी इस बात पर सहमत हैं कि यह एक शानदार पहला कदम है। और यह अच्छी बात है कि ये दोनों नेता एक साथ बैठेंगे, और राष्ट्रपति को उम्मीद है कि ऐसा होगा। उन्होंने आगे कहा, ष्मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूँ कि संयुक्त राज्य अमेरिका सरकार और ट्रंप प्रशासन रूस और यूक्रेन दोनों के साथ मिलकर इस द्विपक्षीय वार्ता को संभव बनाने के लिए काम कर रहे हैं। लेविट ने बताया कि ट्रंप के शांति के प्रयासों के कारण रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ उनकी मुलाकात के 48 घंटे के भीतर ही यूरोपीय नेता व्हाइट हाउस पहुँच गए। जब उनसे पूछा गया कि क्या अगर ट्रंप राष्ट्रपति होते तो इस संघर्ष को टाला जा सकता था, तो लेविट ने प्रशासन के रुख को दोहराया। उन्होंने कहा, ष्राष्ट्रपति अक्सर कहते हैं कि अगर वह पद पर होते तो यह युद्ध शुरू ही नहीं होता और पुतिन ने इसकी पुष्टि की है।ष लेविट ने पुष्टि की कि पुतिन ने भी इस दृष्टिकोण को स्वीकार किया है, जिससे ट्रंप के लंबे समय से चले आ रहे इस दावे को बल मिलता है कि उनके राष्ट्रपति रहते युद्ध छिड़ने से बचा जा सकता था। इसके अलावा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा में मदद के लिए अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजा जाएगा। ट्रंप ने एक टीवी साक्षात्कार में यह भी कहा कि 'नाटो' में शामिल होने और रूस से क्रीमिया प्रायद्वीप को पुनः प्राप्त करने की यूक्रेन की उम्मीदें पूरी होना ''असंभव'' हैं। 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में ट्रंप, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय नेताओं के बीच सोमवार को एक लंबी बैठक हुई। पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए ट्रंप ने जेलेंस्की द्वारा मांगी गई सुरक्षा गारंटी के तहत यूक्रेन की रक्षा के लिए यूरोपीय नेतृत्व वाले प्रयास में भाग लेने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भेजने की संभावना से इनकार नहीं किया था। पिछले सप्ताह अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी मुलाकात के बाद ट्रंप ने कहा था कि पुतिन यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के विचार के लिए तैयार हैं लेकिन मंगलवार को 'फॉक्स न्यूज चौनल' के 'फॉक्स एंड फ्रेंड्स' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यूक्रेन की रक्षा में मदद के लिए अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजा जाएगा।

भारत से भिड़ने चली थी ट्रंप की ये करीबी महिला, एक झटके में हो गई बेनकाब

अभी तक डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ चालाकी करते नजर आ रहे थे। बार बार राग अलापते थे कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर मैंने करवाया है। महान बनने के लिए और नोबेल पुरस्कार पाने के लिए ट्रंप बार बार झूठ बोल रहे थे। लेकिन अब ट्रंप के जैसी ही हरकत व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने कर डाली है। उन्होंने सीधा सीधा ट्रंप के बयान को ही दोहराया और कहा कि भारत पाकिस्तान के बीच जो सीजफायर हुआ है वो ट्रंप के व्यापारिक समझौते पर दबाव बनाने को लेकर हैं। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगभग रोज ये दावे किए जाते थे कि भारत और पाकिस्तान के बीच उन्होंने सीजफायर करवाया। हालांकि हरेक बार भारत की तरफ से ट्रंप के दावे का खंडन किया गया। पीएम मोदी ने लोकसभा में खड़े होकर साफ शब्दों में कहा कि दुनिया के किसी देश ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर नहीं करवाया है। ट्रंप फिर भी अपनी आदतों से नहीं बाज आए और अपनी इस बात को दोहराने के लिए अपने कुनबे को भी मैदान में उतार दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट जिनके होठों की तारीफ करते हुए बीते दिनों ट्रंप ने मशीनगन बता दिया था। उन्हीं कैरोलिन लेविट ने भारत पाकिस्तान सीजफायर पर बड़ा बयान दिया है। उनके इस बयान की खूब चर्चा हो रही है। कैरोलिन लेविट ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर के दावे को फिर से दोहरा दिया है। ट्रंप ने ट्रेड को शक्तिशाली ढाल के रूप में इस्तेमाल कर भारत और पाकिस्तान के संघर्ष को खत्म कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव का कहना है कि भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए उन्होंने ट्रेड का बहुत शक्तिशाली तरीके से इस्तेमाल किया। कैरोलिना लेविट ने कहा कि मुझे पता है कि वे इन सभी उपलब्धियों पर बहुत गर्व महसूस करते हैं और मैं जानती हूं कि वो अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने और विश्व में शांति बहाल करने पर बहुत गर्व महसूस करते हैं। अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव किस बात पर ट्रंप को गर्व महसूस करा रही हैं। भारत को ट्रंप को बार बार बेनकाब कर चुका है। खुद पीएम मोदी ने भी संसद से खड़े होकर ट्रंप को आइना दिखाने का काम किया था। भारत पाकिस्तान के बीच सीजफायर को को लेकर किसी तीसरे देश की मध्यस्थता की भूमिका नहीं है बल्कि खुद पाकिस्तान के कदमों के आगे गिड़गिड़ाया और भारत से माफी मांगता हुआ नजर आया। उसके बाद दोनों देशों के बीच डीजीएमओ स्तर की बातचीत हुई और सीजफायर भारत की वजह से ही लागू हो पाया।

हाइपरसोनिक मिसाइल, लेजर टैंक, ड्रोन...अचानक चीन ने क्यों एक से बढ़कर एक खतरनाक हथियारों की निकाल दी प्रदर्शनी

द्वितीय विश्व युद्ध में जापान पर विजय की 80वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बीजिंग में सैन्य परेड का आयोजन होना है। विजय वर्षगांठ के परेड में चीन अपने नए हथियारों का प्रदर्शन भी करेगा। विशाल सैन्य परेड में हज़ारों लोग शामिल होंगे और पहले कभी न देखे गए हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा। सैन्य अधिकारियों ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि इस परेड में लड़ाकू

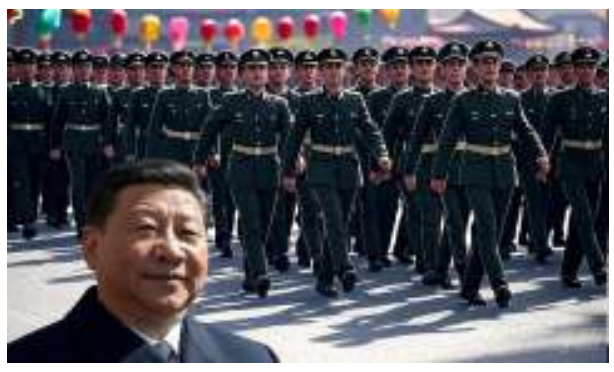

जेट और बमवर्षक विमानों सहित सैकड़ों विमानों के साथ–साथ आवाज की गति से पाँच गुना तेज़ गति से यात्रा करने में सक्षम सटीक–हमला करने वाले हथियारों जैसे उच्च तकनीक वाले हथियार भी शामिल होंगे। सितंबर 1945 में जापानी सेना के औपचारिक आत्मसमर्पण के उपलक्ष्य में 2015 के बाद से यह दूसरा ऐसा जुलूस है। यह परेड चीन की सैन्य शक्ति का प्रदर्शन होगा, क्योंकि उसके कुछ पड़ोसी और पश्चिमी देश हाल के वर्षों में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा शक्ति प्रदर्शन पर चिंता जता रहे हैं। ड्रोन को मार गिराने वाले उपकरणों से लैस ट्रकों से लेकर, चीन के विमानवाहक पोतों की सुरक्षा के लिए नए टैंक और पूर्व चेतावनी वाले विमानों तक, सैन्य अताशे और सुरक्षा विश्लेषकों का कहना है कि वे इस परेड में कई नए हथियारों और उपकरणों की उम्मीद कर रहे हैं। अमेरिका और उसके सहयोगी भविष्य में किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष में चीन का मुकाबला करने की तैयारी में हैं, इसलिए मिसाइलों के बढ़ते समूह, विशेष रूप से जहाज–रोधी संस्करणों और हाइपरसोनिक क्षमताओं वाले हथियारों पर विशेष रूप से कड़ी नज़र रखी जाएगी। सैन्य परेड के उप निदेशक वू ज़ेके ने संवाददाताओं से कहा कि (ये हथियार और उपकरण) तकनीकी प्रगति, बदलते युद्ध पैटर्न के अनुकूल होने और भविष्य के युद्ध जीतने की हमारी सेना की मजबूत क्षमता को पूरी तरह से प्रदर्शित करेंगे। पिछले द्वितीय विश्व युद्ध परेड में रूस और बेलारूस से लेकर मंगोलिया और कंबोडिया तक की विविध टुकड़ियों सहित 12,000 से ज़्यादा सैनिकों ने पूर्व सैनिकों के साथ शहर में मार्च किया था। बीजिंग ने 500 से ज़्यादा सैन्य उपकरण और 200 विमान भी जुटाए थे। कई पश्चिमी नेताओं ने 2015 के इस आयोजन से दूरी बना ली थी, क्योंकि उन्हें चीन की सैन्य शक्ति के प्रदर्शन से मिलने वाले संदेश की चिंता थी। तत्कालीन जापानी प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया था। उस समय विदेशी प्रतिभागियों में पूर्व जर्मन चांसलर गेरहार्ड श्रोएडर और पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर शामिल थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाग लेने वाले विदेशी सैनिकों या विदेशी नेताओं की उपस्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई।

बांग्लादेश में फरवरी 2026 में होंगे आम चुनाव, कानून सलाहकार बोले– अंतरिम सरकार तैयारियों में जुटी

ढाका। बांग्लादेश में आम चुनाव फरवरी 2026 में ही होंगे। अंतरिम सरकार ने चुनाव को लेकर तैयारी तेज कर दी है। अंतरिम सरकार के कानून सलाहकार आसिफ नजरूल ने कहा कि सरकार फरवरी में आम चुनाव कराने की प्रतिबद्धता पर अडिग है। सरकार चुनाव की सभी तैयारियों के साथ आगे बढ़ रही है। चुनाव फरवरी में होंगे और इस पर सरकार का रुख अटल है। अंतरिम सरकार के कानूनी सलाहकार आसिफ नजरूल ने कहा कि राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के समय के बारे में बयान देना राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा है। आपने यह हमेशा देखा है। बांग्लादेश में पारंपरिक रूप से ऐसे राजनीतिक बयान दिए जाते रहे हैं और अब भी यही हो रहा है। इस विमर्श में कोई बड़ा गुणात्मक परिवर्तन नहीं आया है। इसलिए चुनाव के समय के बारे में जो कुछ भी कहा जाता है, उसे राजनीतिक प्रक्रिया के हिस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। नजरुल ने कहा कि चुनाव कराने की जिम्मेदारी सरकार की है, किसी राजनीतिक दल की नहीं। सरकार की ओर से हम स्पष्ट शब्दों में कह रहे हैं कि चुनाव फरवरी में पूरे हो जाएंगे। मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस वैश्विक स्तर पर सम्मानित व्यक्ति हैं और उनकी प्रतिबद्धता से भटकने का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि चुनाव घोषित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगे। उनका यह बयान ऐसे वक्त में आया है कि जब हाल ही में नेशनल सिटीजन पार्टी के नेताओं ने बयान दिया था कि अगले साल फरवरी में चुनाव बिना महत्वपूर्ण सुधारों और अंतरिम सरकार द्वारा शुरू किए गए मुकदमों के पूरा होने के बिना होने की संभावना को खारिज कर दिया गया था।

संक्षिप्त

यूक्रेन की रक्षा के लिए अमेरिकी सैनिक नहीं भेजे जाएंगेरू ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि रूस के खिलाफ यूक्रेन की रक्षा में मदद के लिए अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजा जाएगा। ट्रंप ने एक टीवी साक्षात्कार में यह भी कहा कि 'नाटो' में शामिल होने और रूस से क्रीमिया प्रायद्वीप को पुनः प्राप्त करने की यूक्रेन की उम्मीदें पूरी होना ''असंभव'' हैं। 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में ट्रंप, यूक्रेन के राष्ट्रपति

वोलोदिमीर जेलेंस्की और अन्य यूरोपीय नेताओं के बीच सोमवार को एक लंबी बैठक हुई। पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए ट्रंप ने जेलेंस्की द्वारा मांगी गई सुरक्षा गारंटी के तहत यूक्रेन की रक्षा के लिए यूरोपीय नेतृत्व वाले प्रयास में भाग लेने के लिए अमेरिकी सैनिकों को भेजने की संभावना से इनकार नहीं किया था। पिछले सप्ताह अलास्का में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी मुलाकात के बाद ट्रंप ने कहा था कि पुतिन यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी के विचार के लिए तैयार हैं लेकिन मंगलवार को 'फॉक्स न्यूज चौनल' के 'फॉक्स एंड फ्रेंड्स' कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यूक्रेन की रक्षा में मदद के लिए अमेरिकी सैनिकों को नहीं भेजा जाएगा।

शीर्ष अमेरिकी अधिकारी ने भारत पर रूसी तेल बेचकर मुनाफाखोरी करने का आरोप लगाया, चीन को बख्शा

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने भारत पर रूसी तेल को फिर से बेचकर ''मुनाफाखोरी'' करने का मंगलवार को आरोप लगाया, लेकिन ऐसा करने को लेकर चीन को बख्श दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क

लगा दिया है, जिसके बाद भारत–अमेरिका संबंधों में तनाव बढ़ गया है। इसमें रूसी तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है, जो 27 अगस्त से लागू होगा। बेसेंट ने रूसी तेल खरीद के लिए चीन और भारत के साथ अलग–अलग व्यवहार किए जाने के बारे में सीएनबीसी पर पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि रूस–यूक्रेन युद्ध के बाद रूस से चीन का तेल आयात केवल तीन प्रतिशत बढ़ा है, जबकि रूस से भारत का तेल आयात 40 प्रतिशत से अधिक बढ़ गया है। बेसेंट ने कहा, ''भारत केवल मुनाफाखोरी कर रहा है, वे इसे दोबारा बेच रहे हैं... उन्होंने 16 अरब डॉलर का अतिरिक्त मुनाफा कमाया... भारत के कुछ सबसे अमीर परिवारों ने (लाभ कमाया है)।'' उन्होंने कहा, ''यह भारतीय मध्यस्थता यानी सस्ता तेल खरीदकर उसे उत्पाद के रूप में दोबारा बेचना युद्ध के दौरान ही शुरू हुआ है... यह बिल्कुल अस्वीकार्य है।

उत्तर–पश्चिमी नाइजीरिया में मस्जिद पर गोलीबारी, 13 लोगों की मौत

उत्तर–पश्चिमी नाइजीरिया में मंगलवार सुबह एक मस्जिद पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिससे सुबह की नमाज के दौरान कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कात्सिना राज्य के उंगुवान मंतौ शहर में हुए इस हमले की जिम्मेदारी तत्काल किसी ने नहीं ली है, लेकिन नाइजीरिया के उत्तर–पश्चिमी और उत्तर–मध्य क्षेत्रों में ऐसे हमले अक्सर होते रहते हैं। यहां स्थानीय चरवाहे तथा किसान अक्सर भूमि और पानी तक सीमित पहुंच को लेकर आपस में भिड़ जाते हैं। पिछले महीने, उत्तर–मध्य नाइजीरिया में हुए एक हमले में 150 लोग मारे गए थे। प्रांत के कमिश्नर नासिर मुअजू ने कहा कि आगे किसी तरह के हमलों को रोकने के लिए उंगुवान मंतौ क्षेत्र में सेना और पुलिस को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि बंदूकधारी अक्सर बरसात के मौसम में खेतों में फसलों के बीच छिपकर हमले करते हैं।

बस दुर्घटना में ईरान से लौट रहे 70 से ज्यादा अफगानियों की मौत; मृतकों में 19 बच्चे भी शामिल

काबुल। अफगानिस्तान में एक भीषण बस दुर्घटना में 79 अफगानियों की मौत हो गई। अफगानिस्तान के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने बताया हादसा तब हुआ जब बस ईरान से लौट रही थी। उन्होंने बताया कि मृतकों में 19 बच्चे भी शामिल हैं। अब्दुल मतीन कानी ने बताया कि दुर्घटना में दो लोग घायल भी हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना मंगलवार रात लगभग 8:30 बजे स्थानीय समयानुसार हेरात प्रांत में हुई।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

हमारा देश दक्षिण कोरिया को कभी कूटनीतिक साझेदार के रूप में नहीं देखेगा : किम जोंग उन की बहन

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा कि उनका देश कभी भी दक्षिण कोरिया को कूटनीतिक बातचीत के लिए एक साझेदार के रूप में नहीं देखेगा। सरकारी मीडिया ने बुधवार को यह जानकारी दी। उनके इस बयान को सियोल की ओर से संबंध सुधारने की नयी कोशिशों पर ताजा टिप्पणी के रूप में देखा जा रहा है। किम जोंग उन की विदेश नीति के शीर्ष अधिकारियों में से एक किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के जारी सैन्य अभ्यास को हमले की तैयारी बताया और कहा कि शांति की कोशिशों के पीछे सियोल की उत्तर कोरिया के खिलाफ ''बुरी मंशा छिपी'' है। उत्तर कोरिया की सरकारी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने खबर में बताया कि उन्होंने यह

टिप्पणी मंगलवार को विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक के दौरान की। इस बैठक में उन्होंने विरोधियों से लगातार खतरों और तेजी से बदलते भू–राजनीतिक परिदृश्य के बीच अपने भाई की कूटनीतिक रणनीतियों पर चर्चा की। इससे पहले, सोमवार को उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच जारी सैन्य अभ्यास की निंदा की, साथ ही दुश्मनों का मुकाबला करने के लिए देश की परमाणु ताकत को तेजी से बढ़ाने का संकल्प लिया था। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने सोमवार को अपना वार्षिक संयुक्त सैन्य अभ्यास 'उल्ची फ्रीडम शील्ड' शुरू किया। दोनों देशों का यह अभ्यास परमाणु–हथियार संपन्न उत्तर कोरिया से उत्पन्न खतरों का बेहतर ढंग से मुकाबला करने की तैयारियों का हिस्सा है। यह 11 दिवसीय अभ्यास साल में दो बार होने वाले बड़े पैमाने पर युद्धाभ्यास में से दूसरा है। इसमें 21,000 सैनिक शामिल हैं, जिनमें 18,000 दक्षिण कोरियाई हैं और इसमें कंप्यूटर–आधारित कमांड पोस्ट संचालन तथा मैदानी प्रशिक्षण शामिल हैं। दक्षिण कोरिया और अमेरिका का कहना है कि यह अभ्यास रक्षात्मक है, लेकिन उत्तर कोरिया लंबे समय से इन्हें हमले की तैयारी बताता आया है और अक्सर ऐसे मौकों पर हथियार परीक्षण करता है।

फलस्तीन को मान्यता देने पर ऑस्ट्रेलिया –इस्राइल में तनाव

मेलबर्न। फलस्तीन को मान्यता देने के बाद ऑस्ट्रेलिया और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया है। इस्राइल लगातार ऑस्ट्रेलिया के इस कदम का विरोध कर रहा है। इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज पर आरोप लगाया कि वे एक कमजोर राजनेता हैं। उन्होंने इस्राइल को धोखा दिया है। अल्बनीज ने नेतन्याहू के आरोपों को खारिज कर दिया है। उन्होंने नेतन्याहू को जवाब दिया कि मैं अन्य देशों के नेताओं के साथ सम्मान से पेश आता हूं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।